सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 11, नई दिल्ली । रविवार, 24 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कुछ कर सकने में सफलता आती है और कुछ ना कर सकने में असफलता आती है।

03 स्वच्छ भारत अभियान केवल कहने के लिये नही करके दिखाया है यस पाल हंस ने

06 चुनावी बांड ने सियासी दलों का भांडा फोड़ा

08 फिलहाल देश की सुपुर पावर हैं सीजेआई चंद्रचूड़

होली के बाद सूचना जारी करेगा NHAI: एक अप्रैल से एक्सप्रेसवे पर सफर होगा महंगा, पांच फीसदी बढ़ जाएंगे दाम

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया 31 मार्च की आधी रात से टोल शुल्क में पांच फीसदी की बढ़ोतरी कर देगा।

संजय बाटला

नई दिल्ली। एक अप्रैल से ईस्टर्न पेरिफेरल और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सफर करना वाहन मालिकों के लिए महंगा हो जाएगा। एनएचएआई (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) 31 मार्च की आधी रात से टोल शुल्क में पांच फीसदी की बढ़ोतरी कर देगा। एनएचएआई की ओर से टोल की नई दरों के निर्धारण का काम शुरू हो चुका है। होली के बाद टोल शुल्क की नई दरें तय करके सार्वजनिक सूचना जारी कर दी जाएगी। नई दरें प्रभावी हो जाने पर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर सफर करने वाले लाखों वाहन चालकों की जेब पर भार बढ़ेगा।

एनएचएआई ने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे समेत अन्य एक्सप्रेसवे पर टोल शुल्क की वसूली और मेंटेनेंस का जिम्मा प्राइवेट कंपनी को दिया हुआ है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक धीरज सिंह ने बताया कि इन कंपनियों के अनुबंध के मुताबिक हर साल टोल दरों में एक निर्धारित रकम की बढ़ोतरी की जा सकती है। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल से ईस्टर्न पेरिफेरल और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे समेत अधिकांश टोल रोड पर टोल दरों में पांच फीसदी की बढ़ोतरी लागू हो जाएगी।

पूर्णांक में होगी बढ़ोतरी

कुछ स्थानों पर टोल शुल्क पांच फीसदी से ज्यादा बढ़ सकता है। दरअसल, अगर पांच फीसदी बढ़ोतरी के बाद टोल शुल्क 63, 64 या 89, 54 रुपये हो रहा होगा तो ऐसी रकम को पूर्णांक में बदल दिया जाएगा। यानी 64 की बजाय 65 रुपये, 89 की जगह 90 रुपये या इसी तरह अन्य रकम से दो-तीन रुपये ज्यादा टोल शुल्क निर्धारित किया जा सकता है। इसी तरह अगर किसी सफर के लिए 81, 51 या इसी तरह अन्य रकम तय होगी तो इसे घटाकर पूर्णांक रकम निर्धारित की जा सकती है।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर वर्तमान टोल दरें

स्थान	टोल शुल्क
दुहाई से डासना	15 रुपये
दुहाई से बागपत	60 रुपये
डासना से बागपत	75 रुपये

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर वर्तमान टोल दरें

स्थान	कार	हल्के व्यावसायिक वाहन
मेरठ से सराय काले खां	160 रुपये	250 रुपये
मेरठ से इंदिरापुरम	110 रुपये	175 रुपये
मेरठ से डूंडाहेड़ा	85 रुपये	140 रुपये
मेरठ से डासना	70 रुपये	115 रुपये
मेरठ से रसूलपुर	55 रुपये	85 रुपये
मेरठ से भोजपुर	25 रुपये	40 रुपये

नोट : इन दरों में पांच फीसदी बढ़ोतरी की जानी प्रस्तावित है।

शपथ लो हमारे द्वारा पेयजल की एक बूंद भी बर्बाद नहीं होगी

संजय बाटला

नई दिल्ली। सनातन धर्म व संस्कृति में जल को देवता मानकर उसके सम्मान व संरक्षण की बात कही गई है। माता लक्ष्मी का एक नाम नीरजा भी है जिनका अस्तित्व जल से ही है और वैसे भी जल के बिना जीवन तत्व का रक्षण संभव नहीं है। हमें जल के एक-एक कण को विवेक व आदर पूर्वक उपयोग करना चाहिए, साथ ही साथ जल स्रोतों की सुचिता और संवर्धन पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि आज सरित- सरोवर और जलाशयों का अभिरक्षण आने वाली पीढियां के लिए अमृतत्व सहजने जैसा है। यदि हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों से जरा सा भी प्रेम व उनके भविष्य की चिंता है तो हमें अपनी जीवन शैली में आमूलचूल परिवर्तन करने होंगे और यह शपथ लेनी होगी कि हमारे द्वारा 'जल' का एक कण भी व्यर्थ नहीं जाएगा और साथ ही साथ हमे ओरों को भी इस अमृत रूपी जल के कण- कण को सहजने के लिए जागरूक करना होगा।

दिल्ली : होली के दिन मेट्रो, बसें कब से चलेगी? DMRC ने दी ये जानकारी

होली के मौके पर दिल्ली मेट्रो की टाइमिंग में बदलाव किया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की तरफ से ट्वीट कर होली के दिन मेट्रो के टाइमिंग को लेकर जानकारी दी गई है। दिल्ली मेट्रो का कहना है कि होली की दिन मेट्रो सेवाएं दोपहर 2.30 बजे के बाद से शुरू होंगी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : होली के दिन 25 मार्च को दोपहर तक मेट्रो और बसें लोगों को नहीं मिलेंगी। डीएमआरसी और डीटीसी ने यह जानकारी दी है। डीएमआरसी के अनुसार 25 मार्च को दोपहर 2:30 बजे तक मेट्रो ट्रेनें उपलब्ध नहीं रहेगी। दिल्ली मेट्रो की सभी लाइनें दो बजे तक बंद रहेगी। इसमें रैपिड मेट्रो और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन भी शामिल है। दोपहर 2:30 बजे के बाद सभी टर्मिनल स्टेशनों से सभी लाइनों पर मेट्रो रोज की तरह उपलब्ध होगी।

25 प्रतिशत बस ही उतरेंगी सड़कों पर

डीटीसी के अनुसार होली के दिन 25 मार्च को दोपहर दो बजे तक बसें सड़कों पर नहीं आएंगी। इसके बाद भी 25 प्रतिशत बसें ही सड़कों पर उतारी जाएंगी। इसलिए शाम के समय भी बसें कम रहेंगी। डीटीसी के अनुसार होली के दिन शाम के समय भी यात्रियों की संख्या काफी कम होती है। इसलिए सीएनजी और इलेक्ट्रिक डिपो से महज 25 प्रतिशत बसों को सड़कों पर उतारा जाएगा। 24 मार्च को रविवार के दिन बसें सामान्य रूप से चलेंगी। बस रूट को लेकर किसी भी जानकारी के लिए लोग डीटीसी कॉल सेंटर के नंबर 011-41400400 या 1800118181 पर संपर्क कर सकते हैं।

नमो भारत ट्रेन के टाइम में भी बदलाव

होली को देखते हुए दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालित सेक्शन में नमो भारत ट्रेन का टाइम भी बदला गया है। होली के दिन नमो ट्रेन शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक चलेंगी। दोनों तरफ से पहली ट्रेन शाम 4 बजे चलेगी। आखिरी ट्रेन टर्मिनल स्टेशन साहिबाबाद और मोदीनगर नॉर्थ से रात 8 बजे चलेगी करेगी। फिलहाल, ट्रेन 34 किमी के सेक्शन पर चलाई जा रही हैं। इस सेक्शन पर साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुराद नगर, मोदी नगर साउथ और मोदी नगर नॉर्थ स्टेशन पड़ते हैं।

दिल्ली से यात्रियों को लेकर बिहार जा रही टूरिस्ट बस पलटी, 25 यात्री जख्मी- हादसे के बाद भगदड़

यात्रियों की चीख पुकार के बीच ग्रामीणों जुटी भीड़ ने बस में फंसे यात्रियों को शीशे तोड़कर किसी तरह से बाहर निकाला। पुलिस की मदद से घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे में करीब 25 यात्री जख्मी हो गये। हादसे से एक घंटे तक यातायात भी बाधित रहा। सूचना बस चालक व परिचालक भाग निकले।

फतेहपुर : प्रयागराज-कानपुर हाईवे पर थरियांव थाने के देहुली भोड़ पर शनिवार सुबह दिल्ली से बिहार जा रही टूरिस्ट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। यात्रियों की चीख पुकार के बीच ग्रामीणों जुटी भीड़ ने बस में फंसे यात्रियों को शीशे तोड़कर किसी तरह से बाहर निकाला। पुलिस की मदद से घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे में करीब 25 यात्री जख्मी हो गये। हादसे से एक घंटे तक यातायात भी बाधित रहा। सूचना बस चालक व परिचालक भाग निकले। खबर पाकर घटनास्थल पहुंचे सीओ अरुण राय ने बाताया कि क्रेन व हाइड्रा मशीन के जरिये बस को किनारे कराया जा रहा है। अनियंत्रित बस पलटने से मामूली रूप से सवार जख्मी हुए हैं। अस्पताल में यांच लोगों को भर्ती किया है, शेष यात्रियों को घर भेज दिया गया है।

इस देश में लॉन्च होगी दुनिया की पहली फ्लाइंग टैक्सी सर्विस, जानिए क्या है इसकी खासियत

परिवहन विशेष न्यूज

दुनिया की पहली Flying Taxi Service दुबई में शुरू होगी। फरवरी महीने में Joby ने कहा था कि उन्होंने 2025 तक दुबई में सर्विस शुरू करने का लक्ष्य रखा है। स्टार्टअप ने 2026 की शुरुआत तक अपनी इलेक्ट्रिक एयर-टैक्सी सर्विस और कॉमर्शियल सर्विस को शुरू करने के लिए एक समझौता भी किया है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

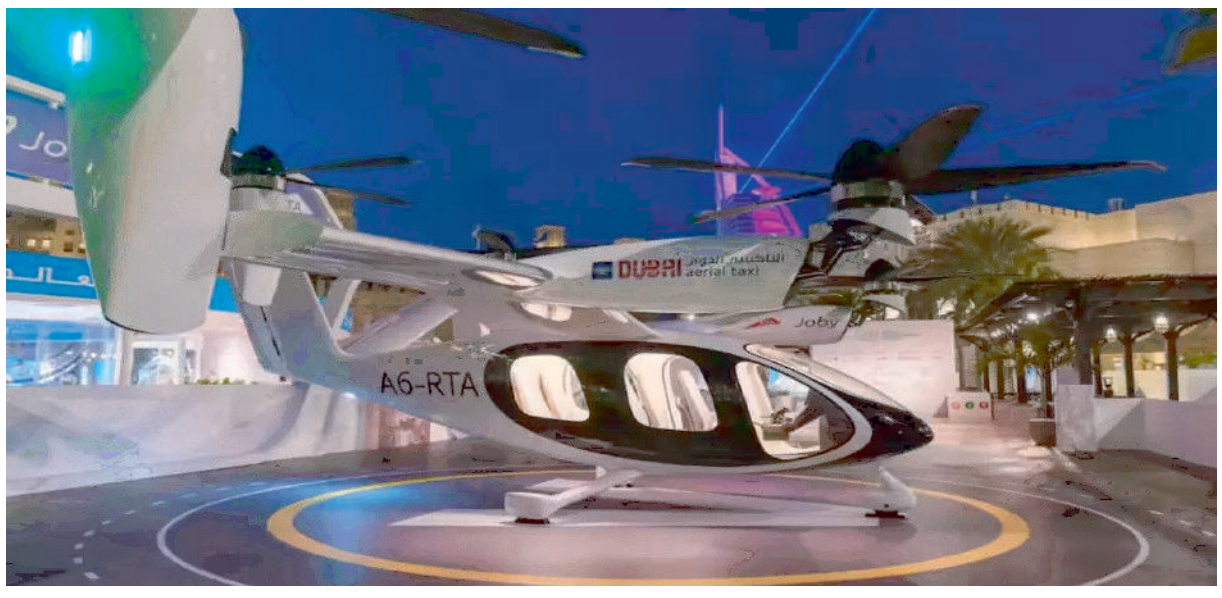

नई दिल्ली। स्टार्टअप दुबई में जल्द ही अपनी दुनिया की पहली फ्लाइंग टैक्सी सर्विस शुरू करेगा। स्टार्टअप के द्वारा इस साल के शुरुआत में Gulf Emirates के साथ साझेदारी में काम करने की घोषणा की गई थी। ऐसे में अब फ्लाइंग टैक्सी के लॉन्च को लेकर Joby के प्रेसीडेंट ने कहा है कि दुबई में इस सर्विस को जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

दुबई में होगी लॉन्च

दुनिया की पहली फ्लाइंग टैक्सी सर्विस दुबई में शुरू होगी। फरवरी महीने में Joby ने कहा था कि उन्होंने 2025 तक दुबई में सर्विस शुरू करने का लक्ष्य रखा है। स्टार्टअप ने 2026 की शुरुआत तक अपनी इलेक्ट्रिक एयर-टैक्सी सर्विस और कॉमर्शियल सर्विस को शुरू करने के लिए एक समझौता भी किया है। जॉबी के प्रेसीडेंट सिमी ने कहा है कि हम इस माइलस्टोन को 2025 तक हासिल कर सकते हैं।

दुबई सरकार का आर्थिक सपोर्ट

सिमी ने कहा है कि फ्लाइंग टैक्सी सर्विस (Flying Taxi Service) को शुरू करने के लिए दुबई सरकार ने हमें आर्थिक सपोर्ट दिया है और रेगुलेटर्स ने जॉबी के लिए रिसॉर्स प्रदान किए हैं। इससे हमें इस सपने को जल्द से जल्द पूरा करने में मदद मिलेगी। इन्होंने कहा कि शुरुआती दौर में हमारे लिए यह वित्तीय मदद मुश्किलें कम करेगी।

चार वर्टिपोर्ट स्थापित करने की प्लानिंग

सिमी ने बताया कि जॉबी ने शुरू में अपने इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग व्हीकल्स के लिए शुरुआत में चार वर्टिपोर्ट स्थापित करने की प्लानिंग बनाई है। सबसे पहले दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के लिए यह सर्विस शुरू होगी।

कब खेली जाएगी होली ? यहां जानें सही तारीख और मुहूर्त

रंगवाली होली चैत्र कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को खेली जाती है। पंचांग अनुसार इस साल ये तिथि 25 मार्च दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से शुरू होकर 26 मार्च की दोपहर 2 बजकर 55 मिनट तक रहेगी। क्योंकि प्रतिपदा तिथि 25 और 26 मार्च दोनों दिन रहने वाली है। ऐसे में इस बात को लेकर सवाल उठता है कि आखिर किस दिन होली खेलना ज्यादा सही रहेगा। तो बता दें इस साल रंगवाली होली कहीं 25 मार्च को तो कहीं 26 मार्च को खेली जाएगी। जानिए कहां कब खेली जा रही है होली। बता दें मथुरा, अयोध्या, वाराणसी समेत ज्यादातर जगहों पर 25 मार्च को होली का त्योहार मनाया जाएगा। तो वहीं गोरखपुर में होली 26 मार्च को मनाई जाएगी। क्योंकि 25 को चैत्र मास की उदय तिथि का मान न होने से होली 26 को मनाने का निर्णय किया गया है।

होली पर करें ये काम

* होली से एक दिन पहले होलिका दहन का दर्शन ज़रूर करें। कहते हैं इसके दर्शन से शनि, राहु और केतु के दोष से मुक्ति मिलती है।

* अगर होलिका दहन के दर्शन नहीं कर पाते हैं तो अगले दिन यानी रंगवाली होली की सुबह होलिका के पास जाकर तीन परिक्रमा करें और होली में अनाज की बालियां भी डालें।

* होली की भस्म को पुरुषों को अपने मस्तिष्क पर और महिलाओं को गले पर लगाना चाहिए। मान्यता है ऐसा करने से जीवन में ऐश्वर्य की वृद्धि होती है।

* कहते हैं होली के भस्म का टीका लगाने से नज़र दोष से मुक्ति मिलती है।

* होली खेलने से पहले भगवान को रंग चढ़ाकर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए।

होली पर रंग से क्यों खेला जाता है कहते हैं भगवान श्री कृष्ण सांवले थे और राधा जी गोरे वर्ण की थी। जिसके लिए श्री कृष्ण हमेशा अपनी मां से शिकायत करते थे कि राधा क्यों इतनी गोरी है और मैं क्यों काले रंग का हूं? इसी शिकायत के बाद एक दिन माता यशोदा ने मजाक में कृष्ण भगवान को सुझाव दिया कि तुम जाकर राधा के मुख पर रंग लगा दो जिससे तुम्हरी यह शिकायत दूर हो जाएगी। कहते हैं इसके बाद भगवान कृष्ण ने राधा रानी के मुख पर रंग लगा दिया। जिसके बाद से होली खेलने की परंपरा शुरू हो गई।

विभिन्न धर्मों में कैसे मनाई जाती हैं होली, जाने

होली ऐसा त्यौहार है जो लोगों को एक दूसरे से मिलने उनके बीच प्रेम और सद्भावना को बढ़ाने का काम करती है। होली मुख्य रूप से एक हिंदू त्यौहार है जो पूरे भारत में बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। लेकिन यह त्यौहार सिर्फ हिन्दू धर्म तक ही सीमित नही है इसे भारत में अन्य धर्मों में भी मनाया जाता है। इन धर्मों की मान्यताएं और इनके कारण अलग हैं। लेकिन विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग इस उत्सव में भाग लेते हैं। भारत में विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच होली कैसे मनाई जाती है। 1. हिंदू धर्म होली एक प्रमुख हिंदू त्योहार है जो जीवंत रंगों, पानी के गुब्बारों और कलर वाली पिचकारियों के साथ मनाया जाता है। यह बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है, साथ ही प्रह्लाद और होलिका एवम् राधा और कृष्ण की कथा का प्रतीक है। लोग सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर इकट्ठा होते हैं, एक-दूसरे को रंगीन गुलाल लगाते हैं, मिठाइयाँ बांटते हैं और होली से जुड़े गानों पर डांस करते हैं। इसके बाद लोग एकदूसरे के घर जाकर उनसे गले मिलते हैं।

2. सिक्ख धर्म सिक्ख धर्म के लोग इसे "होला मोहल्ला" कहते हैं। यह होली के दिन या एक दिन बाद मनाया जाने वाला एक त्यौहार है। इसकी शुरुआत दसवें सिख गुरु गोबिंद सिंह ने सैन्य अभ्यास और नकली युद्धों के माध्यम से सिक्ख समुदाय को मजबूत करने के लिए की थी। सिक्ख समुदाय के लोग इस दिन मार्शल आर्ट प्रदर्शित करने, साहसी करतब दिखाने और सामुदायिक सेवा में संलग्न होने के लिए खालसा के जन्मस्थान आनंदपुर साहिब में इकट्ठा होते हैं।

3. जैन धर्म जैन धर्म में इसे "धूलि वंदना" या "पर्वण परीक्षा" कहा जाता है और इसे उपवास, प्रार्थना और अनुष्ठानों द्वारा मनाया जाता है। जैन अक्सर इस अवसर का उपयोग आध्यात्मिक विकास, क्षमा और नवीकरण पर विचार करने के लिए करते हैं।

4. बौद्ध धर्म बौद्ध धर्म में होली व्यापक रूप से नहीं मनाई जाती है लेकिन भारत में कुछ बौद्ध, विशेष रूप से नेपाल में नेवार समुदाय और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों के लोग होली को "फागु पूर्णिमा" के रूप में मनाते हैं। वह इसे उस दिन के रूप में मनाते हैं जब भगवान बुद्ध ने अपनी मृत्यु की घोषणा की थी और अपने शिष्यों को ज्ञानोदय की ओर अपनी यात्रा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया था।

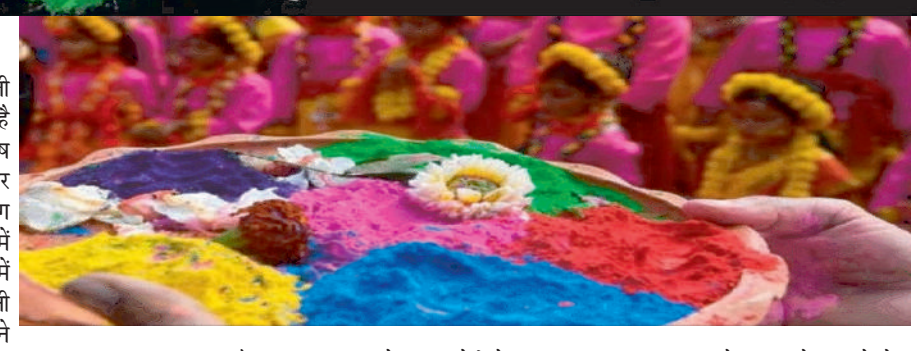

5. इस्लाम और ईसाई धर्म भारत में मुसलमानों और ईसाइयों के बीच होली पारंपरिक रूप से नहीं मनाई जाती है। सांस्कृतिक रूप से विविध क्षेत्रों में, सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में त्यौहार के महत्व की कुछ हद तक भागीदारी या स्वीकृति होती है। इन समुदायों के कुछ व्यक्ति एकजुटता या सांस्कृतिक एकीकरण के प्रतीक के रूप में होली समारोह के पहलुओं में शामिल हो सकते हैं, जैसे- शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करना या सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेना।

होली पर विशेष उपाय

होली पर्व के दौरान होलिका दहन के अवसर पर आप अपनी राशि के अनुसार निम्न वस्तुओं की आहुतियां देकर सुख, शांति, समृद्धि व स्वास्थ्य में लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मेष राशि - :
उपाय- : होलिका दहन में जौ, गुड़ व लाल चंदन की लकड़ी की आहुति चढ़ाएं।

वृषभ राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में मिश्री एवं नारियल गिट की आहुति चढ़ाएं।

मिथुन राशि - :
उपाय- : होलिका दहन में कपूर एवं इलायची की आहुति चढ़ाएं।

कर्क राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में चावल या सफ़ेद तिल की आहुति चढ़ाएं।

सिंह राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में जौ, गूगल एवं गुड की आहुति चढ़ाएं।

कन्या राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में पान और हरी इलायची की आहुति चढ़ाएं।

तुला राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में कपूर की आहुति चढ़ाएं।

वृश्चिक राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में गुड़ व लाल चंदन की लकड़ी की आहुति चढ़ाएं।

धनु राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में हल्दी की गांठ व नारियल गिट की आहुति चढ़ाएं।

मकर राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में काले तिल व लौंग की आहुति चढ़ाएं।

कुंभ राशि- :
उपाय- : होलिका दहन में काली सरसों, लौंग व गूगल की आहुति चढ़ाएं।

मीन राशि- :
उपाय : होलिका दहन में पीली सरसों व गुड की आहुति चढ़ाएं।।
होलिका दहन के अवसर देसी गाय के गोबर से बने हुए कंडे (बिड़कले), कपूर, लौंग, गुड, गूगल आदि वस्तुओं की आहुतियां अवश्य देनी चाहिए, इससे वातावरण शुद्ध व पवित्र होता है।

प्रेम - सौहार्द, मेल - मिलाप, शांति - सद्भाव एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं होली और रमजान : वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ खान

अपील - एक दूसरे की पसंद को ध्यान में रखते हुए त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं : वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ खान

अपील - होली, रमजान के दौरान चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न करें : वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ खान

होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और कहा जाता है कि इससे समृद्धि और खुशियाँ आती हैं और सभी नकारात्मकता और बीमारियाँ नष्ट हो जाती हैं। इस साल होली सोमवार 25 मार्च को खेली जाएगी, जबकि होलिका दहन रविवार 24 मार्च को मनाया जाएगा। वही, इस बार होली और माहे रमजान का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से शांति एवं धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं और राष्ट्रहित में सर्व समाज की सहभागिता बेहद जरूरी हैं।

राष्ट्रहित में सभी संभ्रांत देशवासियों से अपील करते हुए इस सन्दर्भ में वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ खान ने कहा कि हमारा भारत त्योहारों का देश है, और हर त्यौहार हमें भाईचारा व एकता का संदेश देता है। इसलिए हर त्यौहार को शांति व भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रमाण देता है। अच्छाई की जीत सदैव हुई है और आगे भी होती रहेगी। पावन होली का पर्व एक सामाजिक समरसता का पर्व है। इस बार होली, रमजान साथ - साथ हैं, उसके बाद आने वाले दिनों में गुड फ्राइडे ईद, बैसाखी, डॉ अम्बेडकर जयंती, नवरात्र, राम नवमी, महावीर जयंती इत्यादि मत्वपूर्ण त्यौहार भी हैं तथा आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता भी लागु हो चुकी हैं। इसलिए राष्ट्रहित में सभी त्यौहार पर आपसी सौहार्द और शांति बनाएं रखें। त्योहारों पर ऐसा कोई काम ना करें जिससे दूसरे लोगों को परेशानी हो, इस वार होली और रमजान का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से शांति एवं धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं और राष्ट्रहित में सर्व समाज की सहभागिता बेहद जरूरी हैं।

इसलिए सभी देशवाशी स्वस्थ्य मन, शांति एवं आपसी मेल - मिलाप के साथ त्यौहार का आनन्द उठाएं और कोई भी कार्य परम्परा से हट कर ना करें। माहे रमजान और होली का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना बहुत जरूरी हैं। होली के पर्व पर ऐसा कोई कार्य ना किया करें जिससे किसी की स्वतंत्रता को आघात हो, क्योकि होली का पर्व एक सामाजिक समरसता का पर्व है। इस पर्व को सभी व्यक्ति अपने पारस्परिक भेदभाव, शत्रुता, मत, पंत, जाति बुलाकर शांति - सद्भाव, मेल - मिलाप एवं आपसी भाईचारे के साथ स्नेह के साथ रंग और ग़ुलाल का त्यौहार मनाएं। जनपद आगरा का इतिहास हमेशा से अच्छा रहा है। इस परंपरा और यहां की संस्कृति एवं गंगा जमुनी तहजीब को अछून्य बनाए रखना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। सभी लोग संयम, मानवता, संवेदनशीलता, शालीनता, प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का पालन करते हुए धार्मिक भावनाओं को आहत किए बगैर तोहार को शांति के साथ मनाएं।

सभी संभ्रांत लोगों से अपील हैं कि त्योहारों के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन न करें। अपने आसपास के युवाओं के साथ बैठकर उन्हें नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से परिचित कराएं की होली पर्व एवं माहे रमजान के दृष्टिगत होने वाले आयोजन के दौरान किसी प्रकार के मादक पदार्थों का प्रयोग ना करें। आगामी त्योहारों को आपस में मिलजुल कर मनाएं। ध्यान रहें जो होली ना खेले उसे जबरन रंग ना लगाएं। किसी भी प्रकार की अभद्रता व हुड़दंग ना करें। शहर की फिजा किसी प्रकार से दूषित ना हो इन सभी बातों का विशेष ध्यान हम सभी त्योहारों के दौरान रहें तथा त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखें। इस बार लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अफवाहों पर ध्यान नहीं दे, सोशल मीडिया पर पुलिस की सीधी नजर है। इसलिए सोशल मीडिया पर कोई भी सांप्रदायिक और भड़काऊ पोस्ट को बिल्कुल भी शेयर या पोस्ट ना करें। किसी पोस्ट को शेयर करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांच लें।

हमारा सभी से आग्रह हैं कि सोशल मीडिया पर भ्रामक व मतभेद उत्पन्न करने वाली पोस्ट ना डालें और नाहीं इस प्रकार की पोस्टों को लाइक एवं फॉरवर्ड ना करें। रंगों का त्यौहार होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। आपस में गिले शिकवे भुला कर एक दूसरे को गले लगाने का त्योहार होली है, लेकिन इस बार आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण लोकसभा क्षेत्र में पूर्णता धारा 144 लागू रहेगी, जिसका पालन करना हर जिम्मेदार नागरिक का प्रथम कर्तव्य है। इसलिए प्रेम - सौहार्द, मेल - मिलाप, शांति - सद्भाव एवं आपसी भाईचारे के साथ एक दूसरे की पसंद को ध्यान में रखते हुए त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। होली और माहे रमजान के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन न करें। होली रमजान एवं लोकसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा की होली के साथ-साथ माहे रमजान का पवित्र महीना भी चल रहा है, उसका भी सभी को आदर करना चाहिए क्योंकि त्योहारों का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना होता है, इसके साथ - साथ हमारे जीवन में एक नया उत्साह और उमंग भी भरना है। इसलिए दोनों ही त्योहारों में किसी की धार्मिक भावना को ठेस नहीं पहुंचना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए। अगर किसी को कोई परेशानी आती है तो पुलिस को अवगत कराएं। समस्या का समाधान किया जा सके। क्योकि दोनों त्यौहार आपसी भाईचारे का संदेश लेकर आते हैं। इसलिए सभी को शांतिपूर्वक सभी त्यौहारों को मनाना चाहिए। त्योहारों पर किसी प्रकार का उपद्रव आदि नहीं करना चाहिए, जिससे कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि यदि अचार संहिता को लेकर किसी को कोई समस्या है तो तुरंत सूचित करें। शराब समेत मादक पदार्थों का सेवन त्योहारों में बिल्कुल ना करें। वहीं, इस वार लोकसभा चुनावों एवं महत्वपूर्ण त्योहारों के चलते सभी संवेदनशील एवम अति संवेदनशील स्थान को चिन्हित किया गया है, जिस पर पुलिस - प्रशासन की विशेष नज़र हैं और किसी प्रकार की भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर भी प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। आगामी होली त्यौहार को शांति एवं सदभावपूर्ण तरीके से मानने को लेकर उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बार होली के साथ माहे रमजान का भी पवित्र महीना चल रहा है, इसका भी सभी लोग होली के दौरान ख्याल रखें ताकि होली को लेकर किसी दूसरे की भावनाएं आहत न हो। लोगों को आचार संहिता के बारे में जानकारी देते हुए इस दौरान उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियां कायम करना और गैर कानूनी होने पर विधि सम्मत कार्यवाही हो सकती हैं। आगामी होली त्यौहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मानने को लेकर लोगों से अपील करते हुए कहा एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने - अपने मौहल्ला कस्बे के लोगों को लोकसभा चुनाव में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए जागरूक करना चाहिए।

उन्होंने कि राष्ट्रहित में सर्व समाज की सहभागिता बेहद जरूरी हैं। इसलिए सभी देशवाशी स्वस्थ्य मन, शांति एवं आपसी मेल - मिलाप के साथ त्यौहार का आनन्द उठाएं और कोई भी कार्य परम्परा से हट कर ना करें तथा सभी की धार्मिक परंपराओं और आस्था का पूरा सम्मान करें। इस वार महत्वपूर्ण पर्व- त्योहारों के कारण अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आदि लगेंगे लेकिन उल्लास और उमंग के बीच कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत यह समय संवेदनशील है। हम सभी को त्योहारों पर शरारती तत्वों से सतत सतर्क-सावधान रहना होगा। किसी भी समाज का त्यौहार हम सब के लिए एक हैं, चाहें वो किसी भी धर्म या मजहब का हों। रमजान और होली का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना बहुत जरूरी हैं। होली सभी के जीवन में रंगों और प्रेम की बहार लेकर आये। सभी लोग त्योहार को शांति पूर्ण ढंग से मनाए। होली मे रंग डालते समय इतना ध्यान रखे, ऐसे व्यक्ति पर रंग न डाले जो परहेज करता हो। त्योहार का आंनद ले, किसी को आपके व्यवहार से तकलीफ न पहुंचे इसका विशेष रुप से ध्यान रखे और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर आपस में ना उलझें, उसकी सुचना तत्काल पुलिस को दें।

श्री खान ने आगे कहा कि सामाजिक तौर पर यह तो आज एकता और भाईचारे का और प्रेम का प्रतीक है। यह त्यौहार बोरियत की जंजीरों को उड़ता है। नए मौसम नई चुनौतियों के लिए व्यक्ति को तैयार करता है। शरीर में नई ऊर्जा का संचार करता है। सुस्त मन और शरीर को फिर से जीवित करता है। धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से हमें पुनः ऊर्जावान बनाता है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि होली पर घर-घर व्यंजन बनते हैं। बाजारों में भी तरह-तरह की गुझिया व मिठाइयां बनने का कार्य हप्तों पहले से शुरू हो जाता है। इसी में मिलावटखोर भी सक्रिय रहते हैं। ऐसे में खरीदारी के समय होशियार रहें। कहीं ऐसा न हो कि यह चमकदार गुझिया और मिठाई आपकी सेहत खराब कर दें और साथ ही होली खेलते समय विशेष ध्यान रखे केमिकल मिले रंगों से होली ना खेलें। होली पर हर्बल रंगों का प्रयोग करें, होली पर कोई भी ऐसा रंग ना लगाएं, जिससे हमारे शरीर में कोई हानि हो। इसीलिए हमें गुलाल से होली खेलनी चाहिए और शांति पूर्वक अपने त्योहारों को मनाना चाहिए। वहीं, आम जनमानस को संदेश दिया जाए कि त्योहारों के अवसर पर एक दूसरे की भावनाओं का आदर करते हुए संयम के साथ त्यौहार मनाए। जनपद में एक संदेश प्रसारित हो के त्योहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल सके। योगीजी, शासन और प्रशासन की मंशा है कि शांति और सद्भाव के साथ बिना किसी भेदभाव के सभी लोग मिल जुलकर तोहार बनाएं ताकि शांति के माहौल में जनपद, प्रदेश और देश विकास के पथ पर अग्रसर रहें और हंसी खुशी का यह त्योहार सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। होली के त्यौहार को सभी अच्छे से बनाएं। इस मौसम में स्वास्थ संबंधी समस्याओं की बाढ़ रहती है। इसलिए खान-पान का ध्यान भी रखें तथा आँखों, त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए रंगों का प्रयोग भी कम करें। सभी स्वस्थ रहें। सभी खुश रहें। इसी कामना के साथ सभी को होली और ईद की हार्दिक शुभकामनाएं।

दिल्ली में शराब घोटाले के असली मुद्दे क्या थे?

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इस संबंध में एक छोटी सी जानकारी. आप इस घोटाले की भयावहता को जानने के लिए आगे बढ़ सकते हैं।

राजनेता सरकार को राजस्व देने के लिए किसी भी हद तक चले जाते हैं और उसे अपने पास लाने की कोशिश करते हैं।

'दिल्ली की पुरानी शराब नीति'

750ML थोक मूल्य ₹166.73
उत्पाद शुल्क ₹223.88
वैट ₹106.00
रिटेलर कमीशन ₹33.39
एमआरपी ₹530.00

केजरीवाल सरकार की नई शराब नीति मार्च 2022 में लागू...

750ML थोक मूल्य ₹188.41
उत्पाद शुल्क ₹ 1.88
वैट 1% ₹ 1.90
रिटेलर मार्जिन ₹ 363.27
अतिरिक्त उत्पाद शुल्क ₹ 4.54
एमआरपी ₹560.00

इस प्रकार, पुरानी शराब नीति में एक बोतल पर सरकार की कमाई = 329.89 और नई शराब नीति में केवल 8.32 है। यानी नई नीति से सरकार को प्रति बोतल 321.57 रुपये का नुकसान। पुरानी पॉलिसी में रिटेलर का कमीशन 33.39 होगा जबकि नई पॉलिसी में कुछ महीनों के लिए रिटेलर का कमीशन 363.27 रुपये होगा, यानी प्रति बोतल रिटेलर को 330.12 रुपये का मुनाफा होगा।

यहां देखने पर पता चलता है कि खुदरा विक्रेता को लगभग उतना ही फायदा होता है जितना सरकार को प्रति बोतल नुकसान होता है, लेकिन उससे थोड़ा ज्यादा। अब कोई भी समझ सकता है कि नई चतुराईपूर्ण नीति बनाकर विनिर्माताओं/खुदरा विक्रेताओं को कितना फायदा पहुंचाया गया है...

अब ये फायदा निर्माता तक कैसे पहुंचा. नई नीति में निर्माताओं को रिटेल में दुकानें खोलने की इजाजत दे दी गई (जो नियमों के मुताबिक गलत था)।

अब बिक्री के आंकड़ों पर भी नजर डाल लीजिए.

पुरानी नीति में जहां शराब की बिक्री = 132 लाख लीटर प्रति माह थी, वहीं नई नीति में शराब की बिक्री = 245 लाख लीटर प्रति माह थी। इस बिक्री को बढ़ाने के लिए पीने उम्र घटाकर 18 वर्ष कर दी गई है और समय बढ़ाकर सुबह 3 बजे तक कर दिया गया है!!! शुष्क दिवसों को 31 से घटाकर केवल 3 दिन कर दिया गया है...ताकि शराब की खपत अधिकतम हो सके।

अब आप समझ गए होंगे कि ये कितना बड़ा और महाघोटाला है और इसमें कितना पैसा कमाया गया है, जिसके चलते मुख्य सचिव को एलजी से सीबीआई जांच की मांग करनी पड़ी....

पहले जो कर रहे थे गिरफ्तारी की मांग वो अब गठबंधन में जुड़कर बोल रहे हैं लोकतंत्र की हत्या? क्या यही असली चेहरा है INDI गठबंधन और भारत देश के राजनीति का

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश की जनता के लिए सच को समझना इतना भी कठिन नहीं है, केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद और भी कई सच सामने आए हैं। जो कांग्रेस इसी शराब_घोटाला को लेकर केजरीवाल का विरोध कर उसके इस्तीफे की मांग कर रही थी वो अब गिरफ्तारी के बाद जनता के समक्ष लोकतंत्र की हत्या का गाना गा रही है। केजरीवाल के साथ वो लोग भी खड़े हैं जो खुद अपराधी हैं और बेल पर बाहर हैं। एक और महत्वपूर्ण बात यह है की केजरीवाल के समर्थक और कुछ राजनीतिक पार्टियां भी चाहती हैं की केजरीवाल के मामले में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट का कोई और जज नहीं बल्कि केवल सीजेआई चंद्रचूड़ ही करें। वायनाड का सांसद, कांग्रेस का युवराज चिल्ला रहा है की डरा हुवा तानाशाह मारा हुवा लोकतंत्र बनाना चाहता है। यहां यह समझना बड़ा जरुरी है यदि व्यक्ति डरा हुवा है तो तानाशाह कैसे हों सकता है और तानाशाह है तो डरेगा कौन? जनता को समझदार बनकर चुनाव में उचित निर्णय लेना होगा। चोरों, भ्रष्टाचारियों, सनातन और भारत विरोधियों को पूरी तरह उखाड़ फेंकना है।

देश की जनता के लिए सच को समझना इतना भी कठिन नहीं है, केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद और भी कई सच सामने आए हैं। जो कांग्रेस #LiquorScam #शराब_घोटाला को लेकर केजरीवाल का विरोध कर उसके इस्तीफे की मांग कर रही थी वो अब गिरफ्तारी के बाद लोकतंत्र की हत्या का गाना गा रही है। केजरीवाल के साथ वो लोग भी खड़े हैं जो खुद अपराधी हैं और बेल पर बाहर हैं।

एक और महत्वपूर्ण बात ये है की केजरीवाल के समर्थक और कुछ राजनीतिक पार्टियां भी चाहती हैं की केजरीवाल के मामले में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट का कोई और जज नहीं बल्कि केवल CJIChandrachud ही करें। वायनाड का सांसद, कांग्रेस का युवराज चिल्ला रहा है की डरा हुवा तानाशाह मारा हुवा लोकतंत्र बनाना चाहता है... अरे मूर्खों यदि व्यक्ति डरा हुवा है तो तानाशाह कैसे हुवा, और तानाशाह है तो डरेगा कौन वो या.....। जनता समझदार बने और चुनाव में उचित निर्णय ले। चोरों, भ्रष्टाचारियों, सनातन और भारत विरोधियों को पूरी तरह उखाड़ फेंकना है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गुरूवार (21 मार्च, 2024) को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी को कॉन्ग्रेस लोकतंत्र की हत्या बता रही है। यही कांग्रेस 2022 में शराब घोटाले की शिकायत लेकर दिल्ली पुलिस के पास गई थी और केजरीवाल का इस्तीफ़ा माँगा था। कांग्रेस नेता और वायनाड सांसद राहुल गाँधी ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया है। वहीं प्रियंका गाँधी ने सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी को असंवैधानिक बताया है। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी इस गिरफ्तारी की आलोचना की है। जहाँ आज कांग्रेस के नेता दिल्ली शराब घोटाले में सीएम केजरीवाल की ईडी द्वारा गिरफ्तारी को गलत ठहरा रहे हैं, वहीं कुछ समय पहले ही वह इसको लेकर दिल्ली पुलिस से शिकायतें कर रहे थे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने आधिकारिक रूप से दिल्ली पुलिस को शराब नीति मामले में शिकायत की थी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार जून 2022 में तब दिल्ली पुलिस कमिश्नर रहे राकेश अस्थाना को एक पत्र लिख कर आप सरकार की शराब नीति की शिकायत की थी। उन्होंने यह पत्र नई नीति में कार्टेल बनाने और घोटाले को लेकर लिखा था। अनिल कुमार के लिखे पत्र में कहा गया था कि कई कम्पनियों ने नई शराब नीति के तहत अवैध रूप से ठेके पाए हैं और एकाधिकार बाजार तैयार किया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि कई कम्पनियों ने फर्जी कम्पनियों के नाम से शराब नीलामी में हिस्सा लिया और बड़े अधिकारियों समेत मंत्रियों के कारण ठेके ले भी लिए। अनिल कुमार ने आरोप लगाया था कि नई शराब नीति के तहत एक कम्पनी को दिल्ली के दो जोन में ही शराब बिक्री का ठेका दिया जा सकता है जबकि एक कम्पनी ने अलग अलग नाम धारण करके 4 जोन में ठेके लिए। अनिल कुमार ने अपने पत्र में इस बात के सबूत भी दिए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि शराब नीति में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि शराब बनाने या उसको थोक में बेचने वाली कम्पनी को शराब खुदरा रूप से बेचने का लाइसेंस नहीं मिलेगा जबकि इस नियम का भी उल्लंघन किया गया। उन्होंने कहा था कि ओएएसआईएस (OASIS) नाम की कम्पनी के लोगों ने फर्जी कम्पनियाँ बना कर सारे नियमों की धज्जियां उड़ाई। अनिल कुमार ने इस मामले में कहा था कि दिल्ली पुलिस को इस मामले की जांच करनी चाहिए। कांग्रेस ने इसके लिए दिल्ली में प्रदर्शन भी किए थे और तब आबकारी मंत्री रहे मनीष सिसोदिया का इस्तीफ़ा भी माँगा था। कॉन्ग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने इस दौरान कहा था कि मनीष सिसोदिया इन सभी भ्रष्टाचार वाली सौदेबाजी में लिप्त है। इसके अलावा कांग्रेस नेता अजय माकन ने दिल्ली में हुए शराब घोटाले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और आरोप लगाया था कि अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस को हराने के लिए ₹100 करोड़ शराब माफिया से लिए। इससे पार्टी फंडिंग हुई। दिल्ली सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी से पहले ईडी उन्हें 9 बार पूछताछ के लिए बुला चुकी थी। उन्हें नवम्बर 2023 से लगातार ईडी समन भेज रही थी लेकिन वह हर बार कोई ना कोई कारण देकर इनसे बचते रहे थे। उन्होंने ईडी की पूछताछ से बचने के लिए हाई कोर्ट का भी रास्ता अख्तियार किया था। केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने भी उनकी गिरफ्तारी पर कल रोक लगाने से इनकार कर दिया था जिसके बाद रात में ईडी की टीम उनके आवास पर पहुँच कर उन्हें गिरफ्तार कर ले गई। उनकी पार्टी ने गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है।

सेन्ट जोहन एम्बुलेंस ब्रिगेड दक्षिणी दिल्ली शाखा ने युवाओं को इमरजेंसी मेडिकल रिस्पांडर प्रशिक्षण दिया: संजय बाटला

परिवहन विशेष नई दिल्ली। सेन्ट जोहन एम्बुलेंस ब्रिगेड दक्षिणी दिल्ली शाखा ने नागरिकों में आये दिन हार्ट अटैक के कारण होने वाली मृत्यु से बचाव के लिये (इमरजेंसी मेडिकल रिस्पांडर) प्रशिक्षण दिया । इस प्रशिक्षण से हम किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसको आर्ट अटैक आया हो समय रहते (सी पी आर) देकर डॉक्टर के क्लिनिक, अस्पताल या किसी नजदीकी नर्सिंग होम तक लेकर जा सकते हैं। ताकि व्यक्ति के जीवन की रक्षा की जा सके । इस मौके पर सेन्ट जोहन एम्बुलेंस ब्रिगेड दक्षिणी दिल्ली के सहायक आयुक्त श्री पी . ड़ी. वर्खिया से उपरोक्त प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि सेन्ट जोहन एम्बुलेंस ब्रिगेड ने दिल्ली के सभी ग्यारह जिलों में युवाओं को सी पी आर का प्रशिक्षण दिया है जिससे यह प्रशिक्षण ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जा सके। इस प्रशिक्षण को कोई भी महिला पुरुष ले सकते हैं । अधिक जानकारी हेतु 8383045984 पर बात करें।

स्वच्छ भारत अभियान केवल कहने के लिये नही करके दिखाया है यस पाल हंस ने: संजय बाटला

परिवहन विशेष नई दिल्ली: आज आपका परिचय एक ऐसे शख्स से करवाते हैं, जिसने स्वच्छ भारत अभियान को अपने परिश्रम से सार्थक किया है। श्री यस पाल हंस नोकरी के साथ साथ स्वच्छ भारत अभियान को अपनी टीम के साथ मिलकर निभा रहे हैं इनकी टीम जलांधर में किसी भी आर डब्ल्यू ए के अनुरोध पर कालोनी में जमा झाड़ियों व फालतू की घास को काटकर क्षेत्र को कीड़े मकोड़े व जहरीले जानवरों से बचाते हैं। यही नही यदि रोड़ के किनारे / तालाब के किनारे पार्कों आदि में कहीं भी इनको फालतु की झाड़ियां इनको मिलती हैं या फिर कोई व्यक्ति इनसे अपने क्षेत्र में उगी झाड़ियों के बारे में बताता है तो यह अपनी टीम के साथ वहां जाकर उस एरिया को बिल्कुल साफ सुथरा बना देते हैं। इनकी संस्था का नाम My Family Educational Welfare Society है जोकि जलांधर में रजिस्टर्ड है। यदि किसी भी व्यक्ति को इनकी मदद चाहिये तो इनसे सम्पर्क कर सकते हैं: यस पाल हंस 098153 32242 आप इनसे वाट्सप पर अपनी समस्या बता सकते हैं।

प्रो. मनोज कुमार कैन को मिला सूर्यकांत त्रिपाठी निराला-24 सम्मान

परिवहन विशेष, नईदिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर टू मीडिया समूह के तत्वावधान में महादेवी वर्मा सम्मान- 2024 और सूर्यकांत त्रिपाठी निराला सम्मान -2024 का आयोजन दिल्ली के हिंदी भवन में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार डॉ. कविता मल्होत्रा ने की। मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. अर्चना गर्ग रही। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार एवं डॉ. शालिनी अगम, साहित्यकार डॉ. गीतम सिंह, डॉ. संजीव चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार श्री के.डी. पाठक रहे। इस कार्यक्रम के आयोजन टू मीडिया पत्रिका के संपादक डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति रहे । इस अवसर पर दिल्ली, गुड़गांव, हरियाणा, नोएडा, लखनऊ, कासगंज, बिहार, जयपुर से आए साहित्यकार, गज़लकार, गीतकार, साहित्य जगत के महानुभावो को महादेवी वर्मा सम्मान और सूर्यकांत त्रिपाठी निराला सम्मान से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज हिंदी विभाग के प्रो. मनोज कुमार कैन को भी सूर्यकांत त्रिपाठी निराला सम्मान से सम्मानित किया गया प्रो. कैन जी पिछले 35 वर्षों से साहित्य लेखन कर रहे हैं और पिछले 25 वर्षों से अध्यापन कार्य कर रहे हैं । कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। उसके बाद महादेवी वर्मा सम्मान एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला सम्मान-2024 से सम्मानित करते हुए सभी को अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र, पुरुषों को पगड़ी और महिलाओं को क्राउन पहनाकर सम्मानित किया गया। टू मीडिया के संपादक डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति ने टू मीडिया के कार्य कौशल, टू मीडिया विशेषांक, टू मीडिया ओपन माइक, टू मीडिया डिवाइन, टू मीडिया चैनल, टू मीडिया महिला काव्य मंच के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉ ईलाश्री जायसवाल जी ने किया। बहुत बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी और समाज सेवक उपस्थित हुए।

बाजरा : प्राचीन अनाज का आधुनिक पुनर्जन्म..

रेगिस्तान की रानी, सूरज का साथी, गरीबों का सोना - यह सभी उपनाम एक साधारण से दिखने वाले अनाज के हैं, जिसका नाम है बाजरा। 4000 साल का इतिहास समेटे, बाजरा ने अफ्रीका से भारत की यात्रा तय की और यहां की संस्कृति में इस कदर रच बस गया कि दादी मां की कहानियों से लेकर खेतों के नज़ारों तक, हर जगह इसकी छाप देखने को मिलती है। आज जब आधुनिक ज़िंदगी की भागदौड़ में हम पौष्टिकता की तलाश कर रहे हैं, तो बाजरा एक सुखद आवाज़ की तरह सामने आता है। ये वो हीरो है जो सूखे और कमजोर ज़मीन पर भी हंसते-हंसते फसल देता है। जहां गेहूं और मक्का प्यासे होकर हार मान लेते हैं, वहां बाजरा अपना हरा झंडा लहराता रहता है। ये गुण ही इसे पर्यावरण का आदर्श साथी बनाते हैं। लेकिन बाजरा की असली ताकत तो उसके अंदर छिपी है। वो आयरन, कैल्शियम और विटामिन ई का खजाना है, जो आपके शरीर को हर जरूरी तत्व देता है। फाइबर, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन बी कॉम्प्लेक्स के साथ मिलकर ये आपके सेहत की पहरेदारी करता है। एनीमिया को हराना हो, वज़न को कम करना हो, मधुमेह को कंट्रोल करना हो या हृदय को मज़बूत बनाना हो, बाजरा हर मोर्चे पर आपके साथ खड़ा है। एंटीऑक्सिडेंटस गुणों से भरपूर, ये कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और सांस की तकलीफें भी दूर भगाता है। यहां तक कि माइग्रेन के दर्द से भी ये निजात दिला सकता है। लेकिन बाजरा सिर्फ डाक्टर ही नहीं, बल्कि मास्टरशेफ भी है। खिचड़ी से लेकर रोटी, पराठे से लेकर भजिया, उपमा से लेकर इडली, डोसा और यहां तक कि केक और ब्राउनी तक और चूरमा, बाजरा हर रूप में स्वाद का जादू बिखेरता है। इसे अपने भोजन में शामिल करें और हर एक कौर के साथ सेहत और स्वाद का नया अनुभव लें। बाजरा हमें याद दिलाता है कि पुरानी चीज़ों में भी नयापन तलाशने की कोशिश करें। तो ज़रा ठहरिए, अगली बार बाजार जाते समय आधुनिक पैकेजों के चकाचौंध में न खोएं, बल्कि बाजरा की ओर ज़रूर एक नज़र डालें। ये प्राचीन अनाज आपकी ज़िंदगी में स्वाद और सेहत का एक नया अध्याय लिखने को तैयार है। बाजरा के 100 ग्राम में आप कितना पोषण पाएंगे, वो यहां देखें:

Calories: 361 (दैनिक ज़रूरत का 18%)
Carbs: 67.5 ग्राम (दैनिक ज़रूरत का 22.5%)
Protien: 11.6 ग्राम (दैनिक ज़रूरत का 23.2%)
Fat: 5.0 ग्राम (दैनिक ज़रूरत का 7.7%)
Fiber: 11.3 ग्राम (दैनिक ज़रूरत का 45.2%)
Calcium: 42 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 4.2%)
Iron: 8.0 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 44.4%)
Sodium: 10.9 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 0.4%)
Pottasium: 307 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 8.6%)
Phosphorus: 296 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 26.7%)

आंकड़े बताते हैं कि बाजरा कितना पौष्टिक और सेहतमंद है! खासकर आयरन और फाइबर में ये तो किसी पावरहाउस से कम नहीं! तो अपनी थाली में ज़रूर शामिल करें इस जादुई अनाज को।

उम्मीद है यह जानकारी आपको इस चमत्कारी अनाज को अपनाने और एक स्वस्थ ज़िंदगी की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। आइए सब मिलकर बाजरा को अपनी रसोई और अपने भविष्य का हिस्सा बनाएं।

जनहित में जारी : बड़े से बड़ी हस्ती भी नहीं बच पाई बीमारियों से , कारण ?

ऋषि कपूर - कैन्सर, सोनाली बेंद्रे - कैंसर, अजय देवगन - लिट्राल अपिकोंडिलितिस (कंधे की गंभीर बीमारी), इरफान खान - कैंसर, मनीषा कोइराला - कैंसर, युवराज सिंह - कैंसर, सैफ अली खान - हृदय घात, रितिक रोशन - ब्रेन क्लोट, अनुराग बासु - खून का कैंसर, मुमताज - ब्रेस्ट कैंसर, शाहरुख खान - 8 सर्जरी (घुटना, कोहनी, कंधा आदि), ताहिरा कश्यप (आयुष्मान खुराना की पत्नी) - कैंसर, राकेश रोशन - गले का कैंसर, लीसा राय - कैंसर, राजेश खन्ना - कैंसर, विनोद खन्ना - कैंसर, नरगिस - कैंसर, फिरोज खान - कैंसर, टोम अल्टर - कैंसर... यह वह लोग हैं या थे- जिनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है/थी ! खाना हमेशा डाइटीशियन की सलाह से खाते है। दूध भी ऐसी गाय या भैंस का पीते हैं जो AC में रहती है और बिसलेरी का पानी पीती है। जिम भी जाते है। रेगुलर शरीर के सारे टेस्ट करवाते है। सबके पास अपने हाई क्वालिफाइड डॉक्टर है। अब सवाल उठता है कि आखिर अपने शरीर की इतनी देखभाल के बावजूद भी इन्हें इतनी गंभीर बीमारी अचानक कैसे हो गई। क्योंकि यह प्राक्रतिक चीजों का इस्तेमाल बहुत कम करते है या मान लो बिल्कुल भी नहीं करते जैसा हमें प्रकृति ने दिया है , उसे उसी रूप में ग्रहण करो वो कभी नुकसान नहीं देगा। कितनी भी फ्रूटी पी लो वो शरीर को आम के गुण नहीं दे सकती। अगर हम इस धरती को प्रदूषित ना करते तो धरती से निकला पानी बोतल बन्द पानी से लाख गुण अच्छा था। आप एक बच्चे को जन्म से ऐसे स्थान पर रखिए जहां एक भी कीटाणु ना हो बड़ा होने से बाद उसे सामान्य जगह पर रहने के लिए छोड़ दो वो बच्चा एक सामान्य सा बुखार भी नहीं झेल पाएगा ! क्योंकि उसके शरीर का तंत्रिका तंत्र कीटाणुओ से लड़ने के लिए विकसित ही नही हो पाया।

कंपनियों ने लोगो को इतना डरा रखा है, मानो एक दिन साबुन से नहीं नहाओगे तो तुम्हे कीटाणु घेर लेंगे और शाम तक पक्का मर जाओगे। समझ नहीं आता हम कहां जी रहे है। एक दूसरे से हाथ मिलाने के बाद लोग सेनिटाइजर लगाते हुए दिखते हैं। इंसान सोच रहा है- पैसों के दम पर हम जिंदगी जियेंगे। आपने कभी गौर किया है-- पिज़्ज़ा बर्गर वाले शहर के लोगों की एक बुखार में धरती घूमने लगती है और वहीं दूध दही छाछ के शौकीन गांव के बुजुर्ग लोगों का वही बुखार बिना दवाई के ठीक हो जाता है। क्योंकि उनकी डॉक्टर प्रकृति है। क्योंकि वे पहले से ही सादा खाना खाते आए है। प्राकृतिक चीजों को अपनाओ ! विज्ञान के द्वारा लैब में तैयार, या प्रोसेस किया डिब्बा बंद भोजन, पेय और फ्लोर मिलों से पैक आटा दालें मशालें आदि हर एक वस्तु शरीर के लिए नुकसानदायक है ! याद रखिए पैसे से कभी भी स्वास्थ्य और खुशियां नहीं जुटाई जा सकती।। आइए फ़िर से चलें प्रकृति, घरेलु चक्की मिक्सर और सिलबट्ट, बाजरे और मोठ की ओर...

कारीगरों का होली एडिट पूरे क्षेत्र के कुशल कारीगरों द्वारा तैयार की गई उत्कृष्ट कृतियों का एक क्यूरेटेड संग्रह लाती है यह यात्रा

इस होली पर शुरू करें एक रंगीन यात्रा: परंपराओं का रंग (होली आर्ट डिलाइट)

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : जैसे-जैसे रंगों का त्योहार नजदीक आता है, परंपराओं के रंग (होली आर्ट डिलाइट) कारीगरों के होली एडिट में रचनात्मकता और परंपरा के उत्सव में डूब जाते हैं। शिल्प कौशल और संस्कृति के उत्कृष्ट प्रदर्शन का वादा करते हुए, यह कार्यक्रम कला प्रेमियों और सांस्कृतिक पारखी लोगों को समान रूप से मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है।

क्यूरेटेड: एवी संस्कृति (कारीगरों की वैनिटी) दिनांक: [20 - 24 मार्च'24]

समय: [सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक]

स्थान: [गौर सिटी मॉल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट]

परंपरा का जश्न मनाएं, कला का जश्न मनाएं : एक ऐसी दुनिया में कदम रखें जहां हर रंग एक कहानी कहता है, और प्रत्येक ब्रशस्ट्रोक सदियों की परंपरा को दर्शाता है। कारीगरों का होली एडिट पूरे क्षेत्र के कुशल कारीगरों द्वारा तैयार की गई उत्कृष्ट कृतियों का एक क्यूरेटेड संग्रह लाता है। उत्सव के उत्साह को दर्शाने वाली जीवंत पेंटिंग से लेकर जटिल रूप से डिजाइन किए गए हस्तनिर्मित सामान तक, हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध करने के लिए कुछ न कुछ है।

एक ऐसी दुनिया में कदम रखें जहां हर रंग एक कहानी कहता है, और प्रत्येक ब्रशस्ट्रोक सदियों की परंपरा को दर्शाता है। कारीगरों का होली एडिट पूरे क्षेत्र के कुशल कारीगरों द्वारा तैयार की गई उत्कृष्ट कृतियों का एक क्यूरेटेड संग्रह लाता है। उत्सव के उत्साह को दर्शाने वाली जीवंत पेंटिंग से लेकर जटिल रूप से डिजाइन किए गए हस्तनिर्मित सामान तक, हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध करने के लिए कुछ न कुछ है।

खुद को रचनात्मकता में डुबो दें: भारतीय कलात्मकता के असंख्य रंगों और बनावटों को देखकर मंत्रमुग्ध होने के लिए तैयार हो जाइए। उत्कृष्ट हाथ से बुने हुए वस्त्र, जटिल कढ़ाई वाले वस्त्र और जटिल नक्काशीदार मूर्तियां खोजें जो हमारी भूमि की समृद्ध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री को प्रदर्शित करती हैं। कारीगरों के साथ जुड़ें क्योंकि वे पीढ़ियों से चली आ रही सदियों पुरानी तकनीकों का प्रदर्शन करते हैं, और प्रत्येक रचना के पीछे की सूक्ष्म शिल्प कौशल के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।

अनोखी खोज वाली खरीदारी करें: क्या आप अपने घर की साज-सज्जा के लिए उत्तम संयोजन या किसी प्रियजन के लिए कोई

विचारशील उपहार खोज रहे हैं? द आर्टिसंस होली एडिट अद्वितीय खोजों का खजाना प्रदान करता है जो निश्चित रूप से प्रसन्न करने वाला है। चाहे आप पारंपरिक हस्तशिल्प, समकालीन कलाकृतियाँ, या उत्सव संबंधी आवश्यक वस्तुओं की तलाश में हों, आपको चुनने के लिए विकल्पों की एक श्रृंखला मिलेगी। स्थानीय कारीगरों का समर्थन करें और भारत की कलात्मक विरासत का एक टुकड़ा घर ले जाएं।

होली की भावना का अनुभव करें: जीवंत प्रदर्शन और उत्कृष्ट शिल्प कौशल से परे, टिंट्स ऑफ ट्रेडिशन (होली आर्ट डिलाइट) समुदाय और सौहार्द का उत्सव है। हमारे साथ जुड़ने के लिए दुकानदारों को बहुत-बहुत धन्यवाद, क्योंकि हम होली की भावना का आनंद लेने के लिए एक साथ आए थे, सभी के लिए खुशी और खुशी फैलाना बेहद खुशी की बात थी। हमने पारंपरिक मिठाइयों का आनंद लिया, सुगंधित व्यंजनों का आनंद लिया और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में भाग लिया, जिसने हमें भारत के उत्सव समारोहों के केंद्र में पहुंचा दिया।

कारीगरों का विवरण: ईई (अर्थ एसेंशियल्स), कोशुर, वॉव्ज़ा लिविंग, क्रैफिटेरिया, होमशोभा, वाल्ला हबीबी, स्टाइलबॉक्स, गुजराती, द माउंटेन ट्रेजर, निलिडा, पॉव्हर और कई अन्य।

[एवी संस्कृति आर्टिसंस एलएलपी (वैनिटी ऑफ आर्टिसंस] को भारतीय शिल्प कौशल और रचनात्मकता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली परंपरा के रंग (होली आर्ट डिलाइट) प्रस्तुत करने पर गर्व है। पारंपरिक कलाओं और टिकाऊ उत्पादों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, हमारा लक्ष्य एक प्रदान करना है। कारीगरों को व्यापक दर्शकों के साथ जुड़कर अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच और साथ ही बायोडिग्रेडेबल और टिकाऊ उत्पादों को बढ़ावा देने का प्रयास करना।

इस कारीगर आधारित संपादन को क्यूरेट करने की अनुमति देने के लिए गौर सिटी मॉल को बहुत-बहुत धन्यवाद, और टिंट्स ऑफ ट्रेडिशन (होली आर्ट डिलाइट) में हमारे साथ जुड़ने और कला और संस्कृति के साथ अपने उत्सवों में रंगों की बौछार जोड़ने के लिए दर्शकों को धन्यवाद।

गाजियाबाद में छह क्विंटल मिलावटी मावा नष्टकर यूनिट की सील, दिल्ली तक होती थी सप्लाई; आरोपी पर केस

मोदीनगर के गांव कलछीना में तैयार किया जा रहा छह क्विंटल मिलावटी मावा पुलिस प्रशासनिक टीम ने रविवार को नष्ट कर दिया। जिस यूनिट में मावा बनाया जा रहा था उसे भी सील किया गया है। पुलिस के मुताबिक मावा बनाने में यूरिया रिफाइंड व मिल्क पाउडर का इस्तेमाल किया गया। आरोपित दुकानदार के खिलाफ भोजपुर थाने में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस प्रशासनिक व खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने यहां रविवार शाम को छापेमारी की तो इससे पर्दा हटा। आरोपित ने घर के पास ही मावा बनाने की यूनिट लगा रखी थी। टीम ने जब छापेमारी की तो वह घबरा गया। प्राथमिक जांच में ही मावा में मिलावटखोरी सामने आई। पुलिस ने तत्काल यूनिट को सीज कर दिया। आरोपित के पास मावा बनाने का कोई लाइसेंस भी नहीं था।

गाजियाबाद। मोदीनगर के गांव कलछीना में तैयार किया जा रहा छह क्विंटल मिलावटी मावा पुलिस प्रशासनिक टीम ने रविवार को नष्ट कर दिया। जिस यूनिट में मावा बनाया जा रहा था, उसे भी सील किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मावा बनाने में यूरिया, रिफाइंड व मिल्क पाउडर का इस्तेमाल किया गया। आरोपित दुकानदार के खिलाफ भोजपुर थाने में केस दर्ज किया गया है।

होली के मद्देनजर पुलिस प्रशासन स्तर पर सक्रियता बरती जा रही है। चूंकि त्योहार पर मावे की खपत बढ़ जाती है। ऐसे में बड़े स्तर पर मिलावटखोरी शुरू हो जाती है। ऐसी ही मिलावटखोरी भोजपुर के गांव कलछीना में महबूब के यहां चल रही थी।

आरोपित ने मावा की खपत पूरी करने के लिए मिलावट शुरू की। यूरिया, रिफाइंड व मिल्क पाउडर से मावा बनाने लगा। मावे के रूप में लोगों को जहर परोसे जाने लगा। केवल गाजियाबाद ही नहीं बल्कि दिल्ली के मोरी गेट तक आरोपित मावे की सप्लाई कर रहा था।

पुलिस प्रशासनिक व खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने यहां रविवार शाम को छापेमारी की तो इससे पर्दा हटा। आरोपित ने घर के पास ही मावा बनाने की यूनिट लगा रखी थी। टीम ने जब छापेमारी की तो वह घबरा गया। प्राथमिक जांच में ही मावा में मिलावटखोरी सामने आई।

पुलिस ने तत्काल यूनिट को सीज कर दिया। आरोपित के पास मावा बनाने का कोई लाइसेंस भी नहीं था। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि कलछीना चौकी प्रभारी धर्मेंद्र सिंह की तरफ से आरोपित महबूब व उसके साथियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

महबूब हिरासत में है। उसकी यूनिट भी सील कर दी गई है। इसके अलावा भी चार जगह आसिफ, रहमत, सिदाकत, परवेज के यहां छापेमारी हुई। जहां से सैंपल जांच को भेजे गए हैं।

सोया रहा खाद्य सुरक्षा विभाग या थी साठगांठ

मिलावटी मावा यहां काफी समय से तैयार किया जा रहा था। लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई की जरूरत नहीं समझी। इसमें यह कहना गलत नहीं होगा कि अधिकारियों की साठगांठ थी। अब जब उच्चाधिकारियों का दवाब पड़ा तो उन्हें कार्रवाई करनी पड़ी। कलछीना में मावा लंबे समय से तैयार किया जा रहा है। लेकिन त्योहार के आसपास ही यहां छापेमारी की जाती है।

फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा, ननद को बचाने पहुंची भाभी ट्रेन की चपेट में आई; दोनों की मौत

फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर होली से दो दिन पहले पानीपत से बल्लभगढ़ आए एक परिवार की दो महिलाओं की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों महिलाएं सामने से आ रही सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में दोनों आ गई। श्यामलाल की आंखों के सामने उनकी बहन और पत्नी दोनों ने दम तोड़ दिया। आरपीएफ ने दोनों महिलाओं का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया।

फरीदाबाद। फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर होली से दो दिन पहले दुखद हादसा घट गया। पानीपत से बल्लभगढ़ आए एक परिवार की दो महिलाओं की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पानीपत समालखा के रहने वाले श्यामलाल बल्लभगढ़ की राजा नाहरसिंह कालोनी में रहने वाले अपने भाई के यहां पर घूमने के आए थे। उनके साथ उनकी पत्नी रामकली और बहन मूर्ति थी। शनिवार को सभी पानीपत वापस जाने के लिए फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचे। परिवार को गीता जयंती ट्रेन से वापस पानीपत जाना था।

श्यामलाल अपनी पत्नी और बहन के सुबह साथ सात बजे फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पहुंच गए। गीता जयंती ट्रेन सुबह साढ़े सात बजे फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचती है, लेकिन ट्रेन अपने समय से आधा घंटा लेट हो गई। प्लेटफार्म नंबर-दो पर श्यामलाल की बहन मूर्ति प्लेटफार्म के किनारे घूमने लगी।

बहन और पत्नी दोनों ने दम तोड़ दिया

इस दौरान उसका पैर फिसल गया। पैर फिसलने की वजह से वह ट्रैक पर गिर गई। ऐसे में भाभी रामकली अपनी ननद मूर्ति को उठाने के लिए ट्रैक पर गई। इसी दौरान सामने से आ रही सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में दोनों आ गई। श्यामलाल की आंखों के सामने उनकी बहन और पत्नी दोनों ने दम तोड़ दिया। आरपीएफ ने दोनों महिलाओं का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया।

बलवा, हत्या व जानलेवा हमला करने के मामले में सात को उम्रकैद, क्रिकेट खेलने के दौरान हुई थी घटना

क्रिक्रेट खेलने के दौरान हुए विवाद में बलवा हत्या और जानलेवा हमला करने के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाशीश शिवकुमार तिवारी की अदालत ने सात दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई। मामला हापुड़ के बहादुरगढ़ थानाक्षेत्र का है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर साढ़े 15 हजार रुपये जुर्माना लगाया। इस मामले का फैसला 16 साल चार महीने बाद आया।

गाजियाबाद। क्रिक्रेट खेलने के दौरान हुए विवाद में बलवा, हत्या और जानलेवा हमला करने के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाशीश शिवकुमार तिवारी की अदालत ने सात दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई। मामला हापुड़ के बहादुरगढ़ थानाक्षेत्र का है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर साढ़े 15 हजार रुपये जुर्माना लगाया। इस मामले का फैसला 16 साल चार महीने बाद आया।

जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश चंद्र शर्मा ने बताया कि 27 दिसंबर 2007 को हरीश चंद व रविशंकर के बीच क्रिकेट खेलने के दौरान विवाद हो गया था। दोनों के बीच गाली-गलौच हो गई थी। दोनों आलमनगर गांव के रहने वाले थे। इसी बाद से नाराज होकर उसी दिन शाम साढ़े छह बजे रविशंकर पक्ष के धनपत, शेरा, सतीश, कालू, सुंदर व दो महिला संतोष, हरिप्यारी लाठी डंडों व छुरों से लैस होकर हरीश चंद के घर पहुंचे।

हरीश चंद के परिवार पर लाठी डंडों व छुरें से हमला

हरीश चंद के परिवार पर लाठी डंडों व छुरें से हमला कर दिया। घटना के दौरान हरीश चंद के भाई किशनपाल मौत हो गई, जबकि हरीश चंद, हरीगोपाल व चरण दास घायल हुए थे। मामले में स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने कुछ दिन बाद सातों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था क्योंकि घटना वर्ष 2007 में हापुड़ के जिला बनने से पहले हुई थी और जिला बनने से पहले ही गवाही शुरू हो गई थी।

चश्मदीद गवाहों के बयान अहम साबित हुए

इसीलिए इस मामले की सुनवाई उपरोक्त अदालत में चल रही थी। चश्मदीद गवाहों के बयान इस मामले में अहम साबित हुई। अदालत ने धनपत, शेरा, सतीश, कालू, सुंदर व दो महिला संतोष, हरिप्यारी को उम्र कैद की सजा सुनाते हुए जुर्माना भी लगाया।

ट्रॉनिका सिटी इंडसट्रियल एरिया स्थित एक कंपनी में लगी भीषण आग, दमकल की दो गाड़ियां मौजूद

गाजियाबाद जिले के ट्रॉनिका सिटी इंडसट्रियल एरिया के सेक्टर A-2 में स्थित एक कंपनी में शनिवार दोपहर आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां भेजी गई। आग ऑरो फ्रूट एंड वीकेसी नट प्रा. लि. नामक कंपनी में लगी। इसका मालिक शेखर जैन हैं। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

गाजियाबाद। जिले के ट्रॉनिका सिटी इंडसट्रियल एरिया के सेक्टर A-2 में स्थित एक कंपनी में शनिवार दोपहर आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां भेजी गई। आग दो मंजिला इमारत के भूतल में लगी थी। जिस कंपनी में आग लगी है, उसका नाम ऑरो फ्रूट एंड वीकेसी नट प्रा. लि. है। इसका मालिक शेखर जैन हैं।

आग की तीव्रता को देखते हुए तत्काल मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने साहिबाबाद और वैशाली फायर स्टेशन से दो वाहन रवाना किए। मोटर फायर इंजन से पंपिंग कर हौज पाईप फैलाकर फायर सर्विस यूनिट ने तुरंत आग पर पानी डालना शुरू किया। इसके अलावा नजदीकी फैक्ट्रियों में स्थापित अग्निशमन व्यवस्था और रिजर्व वाटर टैंक का प्रयोग करके आग को बुझाना शुरू किया।

घटना में कोई शख्स घायल नहीं

उन्होंने बताया कि दोपहर करीब दो बजे आग काबू पा लिया गया। घटना में किसी भी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इस भवन में मानकों के अनुसार कोई अग्निशमन व्यवस्था नहीं की गई थी। इस अग्निशमन एवं बचाव कार्य के दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद भी निर्देशन एवं पर्यवेक्षण के लिए मौके पर मौजूद रहे। वहीं स्थानीय पुलिस टीम भी सहयोग कर रही थी।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के सात चरणों का चक्रव्यूह पार करना नहीं होगा आसान

2024 का चुनाव संग्राम भी फिर पश्चिम यूपी से शुरू होगा। शुरुआत में पश्चिमी यूपी की 8 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद से यहां के राजनीतिक हालात में काफी बदलाव आया है, जिसका असर चुनाव में दिख रहा है।

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों को लेकर पूरे देश मे कौतुहल दिखाई दे रहा है।

लोकसभा सीटों के हिसाब से सबसे बड़े राज्य यूपी में मुकाबला त्रिकोणीय होता नजर आ रहा है। त्रिकोणीय मुकाबले में एक तरफ एनडीए के तले मोदी की 'सेना' जीत की हुंकार भर रही है तो दूसरी ओर राहुल गांधी के अगुवाई में 'इंडी' गठबंधन ताल ठोक रहा है। दोनों गठबंधनों में बस फर्क इतना है कि जहां एनडीए की ओर से मोदी पुनः प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं, वहीं इंडी गठबंधन ने कौन होगा पीएम पर पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन लगता यही है कि यदि इंडी गठबंधन के लिये सत्ता की राह बनी तो राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के सबसे बड़े दावेदार होंगे। खैर, अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना सही नहीं है। कौन होगा अगल प्रधानमंत्री ? यह सात चरणों के मतदान के बाद 04 जून को पता चलेगा, जब वोटों की काउंटिंग होगी। इसी लिये फिलहाल तो सात चरणों के चक्रव्यूह को भेदने के लिये ही सभी पार्टियो मैदान में ताल ठोंक रही हैं। 19 और 26 अप्रैल को प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण का मतदान होगा। इन दोनों चरणो में पश्चिमी यूपी की 16 सीटों पर वोटिंग होगी। प्रथम चरण और दूसरे चरण के मतदान में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्रमशः आठ-आठ सीटों के उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। 07 मई को भी तीसरे चरण में दस सीटों पर मतदान होगा इसमें भी दस में से पश्चिमी यूपी की चार सीटें शामिल होंगी। इसके बाद 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवें, 25 मई को छठे और 01 जून को सातवें चरण का मतदान होना होगा। शुरू के तीन चरणों में जो राजनैतिक जंग पश्चिमी यूपी से शुरू होगी वह चौथे और पांचवे चरण में रूहेलखंड, अवध की सीटों पर तो छठे और सातवें चरण में पूर्वांचल में पहुंच कर समाप्त हो जायेगी। चार जून को नतीजे आयेंगे।

2024 लोकसभा चुनावों की शुरुआत पश्चिमी यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर से होगा। पहले चरण में चुनाव के लिए आठ सीटों में से, भाजपा ने 2014 के चुनावों में सभी सीटें जीती थीं। 2014 में पार्टी ने अकेले प्रदेश भर में 71 सीटें जीतीं थीं। जबकि एनडीए गठबंधन के पास कुल 73 सीटें थीं। 2019 के चुनाव में इन सीटों पर सपा-रालोद और बसपा गठबंधन के खिलाफ लड़ाई में बीजेपी का प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने 8 में से केवल तीन सीटें जीतीं। ऐसे में सपा और बसपा को पूर्वांचल में कई सीटें मिलीं, जबकि बीजेपी को पूरे प्रदेश में सिर्फ 62 सीटें मिलीं थीं।

2024 का चुनाव संग्राम भी फिर पश्चिम यूपी से शुरू होगा। शुरुआत में पश्चिमी यूपी की 8 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद से यहां के राजनीतिक हालात में काफी बदलाव आया है, जिसका असर चुनाव में दिख रहा है। यह चुनाव क्षेत्र में एक प्रमुख व्यक्ति रालोद नेता जयंत चौधरी की स्थिति भी तय करेगा। केंद्रीय मंत्री संजय बालियान की हैट्रिक कोशिशों की परीक्षा होगी। यह चुनाव तय करेगा कि बीजेपी नेता वरुण गांधी का राजनीतिक भविष्य क्या होगा। यह चुनाव यह भी तय करेगा कि नखतौर विधायक ओम कुमार संसद में जा सकेंगे या नहीं। यह क्षेत्र किसान और जाट नेता अजीत सिंह के प्रभाव वाला माना जाता है। चाहे आप जीतें या हारें, जीतने वाला पक्ष हमेशा सोचता है कि उसका पलड़ा भारी है। अजीत को अपनी बदनामी की भारी राजनीतिक कीमत भी चुकानी पड़ी। यह चुनाव अजीत सिंह के बिना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से जयंत चौधरी को अजीत का उत्तराधिकारी बनाने की कोशिशें अंत तक जारी रहीं। आख़िरकार पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की सत्ताधारी पार्टी की चाल सफल रही। पिछले चुनाव में जयंत जाट दलित मुस्लिम गठबंधन छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। यह चुनाव तय करेगा कि जयंत का फैसला कितना सही है।

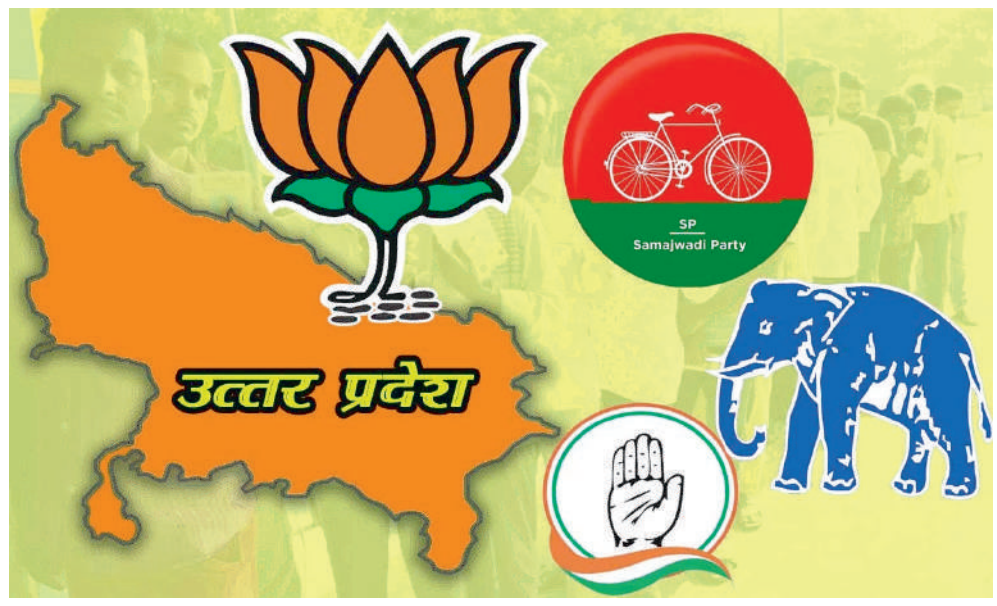

2019 का लोकसभा चुनाव में जो सपा, बसपा और रालोद एक गठबंधन का हिस्सा थे, वह बिखर चुके हैं। बसपा अकेली चुनाव लड़ रही है तो रालोद ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। इस बार पहले चरण की आठ सीटों में से चार पर सपा, तीन पर बसपा और एक पर रालोद को संघर्ष करना पड़ा। बसपा ने अपने हिस्से की तीनों सीटें (सहारनपुर, बिजनौर और नगीना) जीत लीं। सपा ने चार में से दो सीटें (मुरादाबाद और रामपुर) जीतीं। आरएलडी का खाता नहीं खुल सका। बीजेपी ने कैराना, मुजफ्फरनगर और पीलीभीत में सीटें जीती थीं।

बात आजम की चर्चा के बिना पूरी नहीं हो सकती है। प्रथम चरण में ही रामपुर की संसदीय सीट के लिये मुकाबला होना है। 2019 और उसके पहले के चुनाव में कभी समाजवादी पार्टी का मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले आजम खान की रामपुर समेत कई सीटों पर जीत तय रहती थी। पिछले पांच वर्षों में कई उतार-चढ़ाव से गुजरने के बाद, आजम खान को जेल हुई, दोषी पाया गया और विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया। उपचुनाव हुआ जिसमें बीजेपी के घनश्याम लोधी सांसद बने। इस बार भी रामपुर में जेल में बंद आजम के कहने पर ही सपा चल रही है, अब नतीजे बतायेंगे क्या आजम अभी भी यहां ताकतवर हैं या फिर आजम को वोटर साइड लाइन कर चुके हैं। पहले चरण में ही बिजनौर में भी चुनाव होगा। एसपी-बीएसपी-आरएलडी गठबंधन में 2019 में बिजनौर की एक सीट बीएसपी के खाते में थी और उसके उम्मीदवार मुल्क नागर ने चुनाव जीता था। इस बार अपने चुनाव प्रचार को तेज करने के लिए रालोद ने चंदन चौहान और सपा ने यशवीर सिंह को मैदान में उतारा है। इस बार 2019 में तीनों मित्र दलों के उम्मीदवार अलग-अलग एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे।

पश्चिमी यूपी की एक और चर्चित सीट मुजफ्फरनगर भी सुखियों में है।यहां भी 19 अप्रैल को मतदान होगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और आरएलडी प्रमुख अजीत सिंह एक-दूसरे पर नजरें गड़ाए हुए थे। बालियान लगातार दूसरी बार जीते। अजीत सिंह अब नहीं रहे और बदली हुई परिस्थितियों में आरएलडी और बीजेपी एक साथ हैं। ऐसे में रालोद भी इस बार बलियान में अपनी ताकत लगाएगी। सपा ने पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक को अपना उम्मीदवार बनाया है।

पिछले चुनाव में बसपा ने महागठबंधन के जरिए सहारनपुर सीट जीती थी। बसपा के हाजी फजलुर्रहमान ने भाजपा के राघव लखनपाल को हराकर चुनाव जीता। इस बार सपा-कांग्रेस गठबंधन में यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई हैं। इसी प्रकार से कैराना की सीट भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां से कभी बीजेपी के दिग्गज नेता हुकुम सिंह चुनाव लड़ा करते थे। उनकी मौत के बाद 2019 के चुनाव में बीजेपी के प्रदीप कुमार चौधरी ने एसपी की तबस्सुम बेगम को हराकर जीत हासिल की। इस चुनाव में सपा ने पूर्व सांसद मनूर हसन की बेटी इकरा हसन और तबसेम बेगम को अपना उम्मीदवार बनाया है। इकरा के छोटे भाई नाहिद हसन विधायक हैं। इसी तरह से नगीना संसदीय सीट पर पिछले चुनाव में बसपा के गिरीश चंद्र ने महागठबंधन से जीत हासिल की और सांसद बने। इस बार एसपी ने रिटायर जज मनोज कुमार को मैदान में उतारा है, जबकि बीजेपी ने नहटूर से विधायक ओम कुमार को मैदान में उतारा है। इस बार दोनों पार्टियों के नए उम्मीदवार एक दूसरे को टक्कर दे रहे हैं। पीतलनगरी मुरादाबाद में सपा के हसन ने बीजेपी के कंवर सोरौश कुमार को हराकर चुनाव जीता। एसपी-कांग्रेस गठबंधन में यह सीट एसपी के हिस्से में है और बीजेपी-आरएलडी गठबंधन में यह सीट बीजेपी के हिस्से में है। यहां समाजवादी पार्टी को हराना बीजेपी के लिये आसान नहीं होगा। प्रथम चरण की एक और पीलीभीत लोकसभा सीट से पिछला चुनाव बीजेपी के वरुण गांधी ने जीता था, लेकिन कुछ दिनों बाद उनका रवैया बदल गया। अक्सर देखा गया कि वे सरकार को खुद को कटघरे में खड़ा करके सवाल उठाते थे। अबकी से यहां लड़ाई काफी रोचक होती दिख रही है।

न्यू निसान किक्स SUV के डिजाइन से हटा पर्दा, जल्द ग्लोबल मार्केट में होगी लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

लुक्स के आधार पर देखें तो आगामी Kicks का डिजाइन Mitsubishi XForce से मिलता-जुलता प्रतीत होता है। फ्रंट फेसिया और साइड प्रोफाइल भी इसी के समान दिखता है। इसमें एक्सफॉर्स इंस्पायर्ड ग्लासहाउस स्टायलिश टैपरिंग रूफलाइन और DRL के साथ फुल एलईडी हेडलाइट सेटअप दिया गया है। इसमें 19 इंच के अलॉय व्हील देखने को मिल सकते हैं। आइए इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। जापानी कार मेकर Nissan ने ग्लोबली अपने कार लाइनअप का विस्तार किया है। निर्माता ने New Nissan Kicks SUV को अनवील कर दिया है। अपकमिंग एसयूवी न्यूयॉर्क मोटर शो 2024 से पहले वैश्विक स्तर पर अनवील की गई है।

इसकी जो तस्वीरें सामने आई हैं उनसे साफ पता चलता है कि इसका डिजाइन मौजूदा मॉडल की तुलना में बड़ा है और मस्कूलर भी दिखता है। नई किक एसयूवी को सिंगल प्लेटफॉर्म पर बाजार में पेश किया जाएगा। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

डिजाइन

लुक्स के आधार पर देखें तो आगामी Kicks का डिजाइन Mitsubishi XForce से मिलता-जुलता प्रतीत होता है। फ्रंट फेसिया और साइड प्रोफाइल भी इसी के समान दिखता है। इसमें एक्सफॉर्स इंस्पायर्ड ग्लासहाउस, स्टायलिश टैपरिंग रूफलाइन और DRL के साथ फुल एलईडी हेडलाइट सेटअप दिया गया है।

इसमें 19 इंच के अलॉय व्हील देखने को मिल सकते हैं। हालांकि, तस्वीर से पता चलता है कि इसमें मैट ब्लैक चंकी व्हील दिए गए हैं।

इंटीरियर

लेटेस्ट जेन में Kicks में संभावित तौर पर कार कनेक्ट टेक्नोलॉजी के साथ 12.3 इंच का इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा, इसके डैशबॉर्ड में कई जरूरी बदलाव होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा मॉडल की तुलना में इसके इंटीरियर को प्रीमियम लुक देने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

इसके अलावा कार में मल्टी फंक्शनल इन्फोटेनमेंट सिस्टम, टच सेंसिटिव कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग पैड, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 4 यूएसबी पोर्ट, वायरलेस एपल कार प्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी दी जाएगी।

नई Kicks में पेनोरॉमिक सनरूफ और हेडरेस्ट माउंटेड BOSE स्पीकर भी दिए जाएंगे। जबकि Mitsubishi XForce ये फीचर नहीं दिए जाते हैं।

किया फैन्स को झटका! 1 अप्रैल से महंगी हो जाएंगी कंपनी की सभी कारें; इस वजह से लिया गया फैसला

1 अप्रैल से किआ के पूरे लाइनअप की कारों की कीमत में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि हो जाएगी। निर्माता के द्वारा भारत में Seltos Sonet और Carens जैसी प्रमुख कारें बेची जाती हैं। कीमतें बढ़ाने का फैसला कमोडिटी की कीमतों और आपूर्ति चेन से संबंधित इनपुट में वृद्धि के कारण लिया गया है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। कार बनाने वाली कंपनी Kia ने होली के मौके पर ग्राहकों झटका दिया है। कंपनी ने भारत में अपने पूरे लाइनअप की कीमतों में इजाफा करने का फैसला लिया है। नई कीमतें 1 अप्रैल से लागू होंगी। कहा गया है कि किआ की कारों की कीमत मौजूदा कीमतों की तुलना में 3 प्रतिशत तक वृद्धि होगी। कंपनी के लाइनअप में Seltos, Sonet और Carens जैसी कारें शामिल हैं।

महंगी होंगी KIA की कारें

1 अप्रैल से किआ के पूरे लाइन-अप की कारों की कीमत 3 प्रतिशत तक की वृद्धि हो जाएगी। निर्माता के द्वारा भारत में Seltos, Sonet और Carens जैसी प्रमुख कारें बेची जाती हैं। कीमतें बढ़ाने का फैसला कमोडिटी की कीमतों और आपूर्ति चेन से संबंधित इनपुट में वृद्धि के कारण लिया गया है।

इसलिए बढ़ेंगी कीमतें

किआ के सेल्स एंड मार्केटिंग हेड Hardeep Singh Brar ने बताया है कि हम लगातार ग्राहकों को अपने प्रोडक्ट के जरिये एडवांस फीचर्स और आधुनिक टेक्नोलॉजी दे रहे हैं। हालांकि, कमोडिटी की कीमतों में लगातार वृद्धि, प्रतिकूल एक्सचेंज रेट और बढ़ती इनपुट लागत के कारण, हम कारों की कीमतों में बढ़ोत्तरी करने को मजबूर हैं।

आगे इन्होंने कहा कि कंपनी वृद्धि के एक महत्वपूर्ण हिस्से को महसूस कर रही है, जिससे ग्राहकों को अपनी पसंदीदा किआ कारों को अपनी जेब पर कोई बड़ा बोझ डाले बिना चलाना जारी रखने की अनुमति मिल रही है।

लोगों पसंद आ रही किआ की कारें

KIA की कारों को भारत में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। खासकर निर्माता की Sonet और Seltos 2.0 को अच्छा प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी दोनों गाड़ियों की भारत और वैश्विक स्तर पर 1.16 मिलियन यूनिट्स की बिक्री की है। ब्रांड ने बताया है कि उसकी हॉस सेलिंग कार सेल्टॉस रही है।

चीन में टेस्ला की कार का उत्पादन कम हुआ, ईवी बिक्री बढ़ोतरी धीमी होना वजह

(टेस्ला इंक.) ने चीन में अपने प्लांट में उत्पादन कम कर दिया है। जो दुनिया के सबसे बड़े ऑटो बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री में सुस्त बढ़ोतरी और तीव्र प्रतिस्पर्धा के बीच है। एक मीडिया रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी कार निर्माता ने इस महीने की शुरुआत में अपने शंघाई प्लांट के कर्मचारियों को टेस्ला द्वारा चीन में बनाई जाने वाली दो गाड़ियों, मॉडल Y और मॉडल 3 के उत्पादन को कम करने का निर्देश दिया था। अब कर्मचारी हफ्ते में साढ़े 6 दिन की बजाय 5 दिन काम करेंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला का स्टॉक - जिसने इस साल S&P 500 इंडेक्स में सबसे खराब प्रदर्शन किया है - शुक्रवार को नियमित कारोबार शुरू होने से पहले 3.9 प्रतिशत तक गिर गया।

चीन में टेस्ला कार की बिक्री

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में कुल यात्री-वाहन की बिक्री में साल के पहले दो महीनों में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और नई ऊर्जा वाहनों की बिक्री में 37.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। लेकिन टेस्ला ने एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में शिपमेंट में गिरावट दर्ज की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एलन मस्क की कार निर्माता कंपनी को न सिर्फ घरेलू प्रतियोगी BYD कंपनी से बल्कि कई अन्य ईवी निर्माताओं से भी कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। जो ज्यादा किफायती और तकनीक से लैस वाहनों का उत्पादन कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के यात्री कार संघ द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, टेस्ला ने 2024 के पहले दो महीनों में 131,812 वाहनों की डिलीवरी की, जो एक साल पहले की समान अवधि से 6 प्रतिशत की गिरावट है। साथ ही यह भी कहा गया है कि टेस्ला द्वारा साल की शुरुआत से लागू की गई मूल्य कटौती के बावजूद, सिर्फ 53 प्रतिशत शिपमेंट ही स्थानीय बाजार में गए।

होली पर कार को रंगों से रखना चाहते हैं सुरक्षित, तो जरूर करें यह चार काम

Holi के खास मौके पर अपनी कार को रंगों से सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती है। अगर आप भी सोच रहे हैं कि कार को होली पर रंगों से कैसे सेफ रखा जाए तो यहां कुछ ऐसी बातें बताने वाले हैं जिनका ख्याल रखना बेहद जरूरी है। अगर आप इन बातों को ध्यान में रखते हैं तो काफी हद तक कार रंगों से सेफ रहेगी।

नई दिल्ली। रंगों का फेस्टिवल होली आ चुकी है। इस खास मौके को लोग अपने-अपने तरह से सेलिब्रेट करते हैं। इस दौरान खुद को रंगों से सुरक्षित रखना जितना जरूरी है उतना ही अपनी कार का ख्याल रखना भी जरूरी है। हम यहां बताने वाले हैं कि होली पर कार को रंगों से बचाने के लिए आपको किन खास बातों का ख्याल रखना चाहिए। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगे तो कार काफी हद तक सेफ रहेगी।

सही जगह करें पार्क

Holi के मौके पर लोग एक दूसरे पर रंगे बरसाते हैं। ऐसे में आप अपनी कार को बाहर लेकर निकलने की प्लानिंग कर रहे हैं तो ये नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसलिए कार मालिकों को सलाह दी जाती है कि वह गाड़ी को किसी ऐसी जगह पार्क करें, जहां रंगों के आने की गुंजाइश कम से कम हो।

कैब का करें इस्तेमाल

इस मौके पर खुद की गाड़ी इस्तेमाल करने की बजाय आप कहीं भी आने-जाने के लिए कैब की मदद ले सकते हैं। इसमें आपके कुछ पैसे तो जरूर खर्च होंगे। लेकिन आपकी कार रंगों से सुरक्षित रहेगी।

कवर करना बहुत जरूरी

जहां भी आपने अपनी कार पार्क की है तो सुनिश्चित करें कि उस पर अच्छी क्वालिटी का कवर लगा हो। अगर आपकी कार पब्लिक पार्किंग में बिना कवर के खड़ी होगी तो पूरी संभावना है कि उस पर रंग लग सकते हैं। इन्हें साफ करवाने में पैसे भी अच्छे खर्च होंगे। तो ऐसे में उसे ढ़ककर रखना ही सही विकल्प है।

कार विंडोज को रखें बंद

कार को सही जगह पार्क कर दिया है, लेकिन विडोंज खुले छोड़ दिए हैं तो ये गलती भारी पड़ सकती है। इसलिए आपको ध्यान रखना है कि कार की खिड़कियां खुली न हुई हों। यहां बताई गई इन बातों का अगर ख्याल रखा जाता है तो होली के दौरान आपकी रंगों से काफी हद तक सुरक्षित रहेगी।

25 लाख रुपये की कीमत पर इन कारों में मिलती है सबसे ज्यादा रेंज, टाटा की 3 कारें भी लिस्ट में शामिल

पेट्रोल और डीजल के काफी कम समय में काफी ज्यादा महंगा होने के साथ ही कई तरह के ऑफर्स और डिस्काउंट मिलने के कारण भारत में बड़ी संख्या में लोग Electric Car का उपयोग करना पसंद करने लगे हैं। 25 लाख रुपये तक की कीमत पर किस कंपनी की किस EV में सबसे ज्यादा Range मिलती है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में लगातार Electric Car की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। Tata, Mahindra, MG जैसी कंपनियों की ओर से Electric Cars को ऑफर किया जाता है। हम इस खबर में आपको 25 लाख रुपये तक की कीमत में मिलने वाली ऐसी कुछ कारों की जानकारी दे रहे हैं। जिनमें सबसे ज्यादा रेंज ऑफर की जाती है।

MG ZS EV

ब्रिटिश कार निर्माता एमजी मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर ZS EV को ऑफर किया जाता है। कंपनी की यह एसयूवी फुल चार्ज में करीब 461 किलोमीटर तक की रेंज ऑफर करती है। इसे 10 से 80 फीसदी चार्ज होने में 60 मिनट का समय लगता है। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी 8.5 सेकेंड में ही जीरो से 100 किलोमीटर की स्पीड हासिल कर सकती है। बाजार में इसकी एक्स शोरूम कीमत की शुरूआत 18.98 लाख रुपये से हो जाती है।

Mahindra XUV400

महिंद्रा की ओर से एक्सयूवी400 को भी इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर ऑफर किया जाता है। कंपनी की इकलौती EV को फुल चार्ज करने के बाद 456 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इसकी कीमत की शुरूआत 15.49 लाख रुपये से हो जाती है।

Tata Nexon EV

टाटा मोटर्स की ओर से नेक्सन ईवी को ऑफर किया जाता है। कंपनी की यह इलेक्ट्रिक एसयूवी सिंगल चार्ज के बाद 465 किलोमीटर तक चलाई जा सकती है। इसकी कीमत की शुरूआत 14.49 लाख रुपये से हो जाती है।

Tata Tigor EV

टाटा मोटर्स की ओर से इलेक्ट्रिक सेडान के तौर पर टिगोर को खरीदा जा सकता है। इस इलेक्ट्रिक सेडान कार को भी फुल चार्ज के बाद 315 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इसकी कीमत 12.49 लाख रुपये एक्स शोरूम है।

Tata Tiago EV

टाटा मोटर्स की ओर से इलेक्ट्रिक हैचबैक कार के तौर पर टियागो को ऑफर किया जाता है। कंपनी की यह कार भी फुल चार्ज के बाद 315 किलोमीटर तक की रेंज देती है। बाजार में इसकी एक्स शोरूम कीमत 7.99 लाख रुपये है।

चुनावी बांड ने सियासी दलों का भांडा फोड़ा

योगेंद्र योगी

इस पूरे प्रकरण में सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि राजनीतिक दल एक-दूसरे पर कीचड़ उछाल रहे हैं। सभी एक-दूसरे को भ्रष्टाचार का आरोपी बता रहे हैं, जबकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पहले किसी ने चंदा लेने की पारदर्शिता की नीति पर अमल तक करने की जरूरत नहीं समझी। हर स्तर पर किया लेन-देन सार्वजनिक किया जाना चाहिए'

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बांड के मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सारे पैंतरे व्यर्थ कर दिए। इसके साथ ही इस पूरे मामले से चंदा लेने वाले राजनीतिक दलों की नीयत से भी पर्दा उठ गया। सुप्रीम कोर्ट के भय से एसबीआई द्वारा किए गए खुलासे से जाहिर हो गया है कि जिस भी राजनीतिक दल का जोर चला उसने उसी हिसाब से उद्योपतियों और व्यवसायियों से चंदा वसूल किया है। यह तो निश्चित है कि कोई उद्यमी मुफ्त में कुछ नहीं देता। चंदा देने के दो ही तरीके हैं। पहला यह कि राजनीतिक दलों के डर के मारे देना पड़े और दूसरा ऐसा करने से निहित स्वार्थ साधे जा सकते हैं। किन्तु सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को सार्वजनिक करवा कर सबको हमाम में नंगा कर दिया। इससे जाहिर हो गया कि दूध का धुला कोई राजनीतिक दल नहीं हैं। जिस राजनीतिक दल की जितनी हैसियत है, उसने उसी हिसाब से चुनावी चंदा वसूला है। यही वजह है कि क्षेत्रीय दलों को कम और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को सर्वाधिक चंदा मिला है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट की इस पूरी कवायद में उद्यमी दो पाटों के बीच फंस गए हैं। उद्यमी कभी यह नहीं चाहते थे कि उनके चंदा देने का खुलासा हो। खुलासा होने के बाद उनके साथ कम चंदा मिलने या नहीं मिलने पर राजनीतिक दल बदले की भावना से काम करे बिना नहीं मानेंगे। ऐसे में उद्यमी चंदा देकर मुसीबत मोल ले बैठे। यदि उद्यमी सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों से बच गए तो राज्यों में सत्तारूढ़ गैर भाजपा दलों की राज्यों की एजेंसियों की लपेटे में आ सकते हैं। राज्य की एजेंसियां किसी न किसी बहाने चंदा कम मिलने या नहीं मिलने का हिसाब चुकता किए बगैर नहीं मानेंगी। बदले की भावना से राजनीतिक दलों द्वारा कराई गई ऐसी कार्रवाई को छिपाने के लिए एजेंसियां रटा-रटाया जवाब पहले भी देती रही हैं कि कानून अपना काम करेगा। राजनीतिक दलों ने ऐसे उद्यमियों से भी चंदा लेने से गुरेज नहीं किया जिन पर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की नजर है।

दूसरे शब्दों में कहें तो उद्यमी इस मंशा को भांप गए कि चंदा देकर निशाने से कैसे बचा जा सकता है। चुनावी बांड की योजना लागू होने के बाद इसके माध्यम से सबसे अधिक 6986.5 करोड़ रुपए की धनराशि भाजपा को प्राप्त हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 1397 करोड़ रुपए, कांग्रेस को 1334 करोड़ रुपए और बीआरएस को 1322 करोड़ रुपए मिले। चुनावी बॉन्ड से सबसे ज्यादा दान पाने वालों की पार्टियों में तृणमूल दूसरे, कांग्रेस तीसरे और बीआरएस चौथे नंबर की पार्टी है। खास बात यह भी है कि जिन राजनीतिक दलों के पास सत्ता नहीं है और जिनके सत्ता में आने की संभावना क्षीण है, उनका आकलन करके चंदा देने वालों ने किनारा कर लिया। यदि सुप्रीम कोर्ट एसबीआई को इसका खुलासा करने पर मजबूर नहीं करता तो इस गठजोड़ का खुलासा कभी नहीं हो पाता। कई राजनीतिक दलों ने विभिन्न कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए चुनावी बॉन्ड देने वालों का विवरण साझा करने से इन्कार करते रहे। जबकि कुछ दलों ने कहा कि उन्हें ड्रॉप बॉक्स या डाक के माध्यम से चंदा मिला है, जिन पर किसी का नाम नहीं था। एक लॉटरी कंपनी से अधिकांश चंदा हासिल करने वाली द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने 2019 में उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार चुनावी बॉन्ड का विवरण प्राप्त करने के लिए अपने दानकर्ताओं से संपर्क किया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चंदा देने वालों का खुलासा न करने के लिए जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम तथा आयकर अधिनियम के संबंधित पहलुओं का हवाला दिया। भाजपा ने निर्वाचन आयोग को लिखे अपने पत्र में कहा कि विधिवत प्रस्तुत किया जा चुका है कि चुनावी बॉन्ड योजना केवल राजनीतिक वित्तपोषण में धन का हिसाब-किताब रखने और दानदाताओं को किसी भी परिणाम से बचाने के उद्देश्य से पेश की गई थी। कांग्रेस ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को एक पत्र लिखकर चुनावी बॉन्ड दाताओं, धनराशि, तारीख और उस बैंक खाते का विवरण मांगा जिसमें ये जमा किए गए थे। एसबीआई ने कांग्रेस को जवाब दिया कि चुनावी बॉन्ड का विवरण राजनीतिक दलों के पास उपलब्ध है और बैंक खाते की जानकारी आयोग के साथ साझा की गई है। समाजवादी पार्टी ने एक लाख रुपए और 10 लाख रुपए की अपेक्षाकृत छोटी राशि के बॉन्ड का विवरण साझा किया।

पार्टी ने बताया कि उसे एक करोड़ रुपए के 10 बॉन्ड बिना किसी नाम के डाक से प्राप्त हुए थे। लगभग 77 प्रतिशत चंदा लॉटरी किंग कहे जाने वाले सेंटियागो मार्टिन की कंपनी फ्यूचर गेमिंग से हासिल करने वाली द्रमुक ने कहा कि उसने दान का विवरण हासिल करने के लिए दानदाताओं से संपर्क किया था। द्रमुक ने कहा कि इस योजना के तहत दान लेने वाले को दानकर्ता का विवरण देने की भी आवश्यकता नहीं थी। फिर भी, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए, हमने अपने दानदाताओं से संपर्क करके विवरण हासिल किया। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने दानदाताओं के नामों की जानकारी वाले कॉलम में तत्काल उपलब्ध नहीं लिखा है। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि चुनावी बॉन्ड पार्टी कार्यालय में भेजे गए थे और उन्हें ड्रॉप बॉक्स में डाल दिया गया था।

टीएमसी ने कहा कि पार्टी का समर्थन करने की इच्छा रखने वाले विभिन्न व्यक्तियों की ओर से दूतों के माध्यम से कुछ बॉन्ड भेजे गए थे जिनमें से कई ने गुमनाम तरीके से दान किया। शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने बॉन्ड देने वालों का विवरण प्रस्तुत करने में असमर्थता व्यक्त की, क्योंकि पार्टी ने विवरण नहीं रखा था और न ही कोई रसीद जारी की थी। राकांपा ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा कि उसके कई पदाधिकारी चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। राकांपा ने कहा कि जहां भी संभव हुआ, हमने उस व्यक्ति का नाम बताया है जिसके माध्यम से पार्टी को बॉन्ड प्राप्त हुए थे। कांग्रेस की गोवा इकाई ने पार्टी को मिले 30 लाख रुपए के चुनावी बॉन्ड का विवरण प्राप्त करने के लिए अपने दानदाता वीएम सालगांवकर एंड ब्रदर्स से संपर्क किया। राष्ट्रीय जनता दल ने कहा कि 1.5 करोड़ रुपए के दान के बारे में विवरण आसानी से उपलब्ध नहीं है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल (यूनाइटेड) ने आयोग को बताया है कि किसी ने 2019 में उसके कार्यालय में 10 करोड़ रुपए के चुनावी बॉन्ड वाला एक लिफाफा दिया था, जिसे पार्टी ने भुना लिया। राजनीतिक दलों की इस पैंतरेबाजी को एक तरफ करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड को लेकर एसबीआई को पूरी जानकारी देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि एसबीआई को चुनावी बॉन्ड से जुड़ा विशेष नंबर (यूनीक अल्फा-न्यूमेरिक नंबर) बताना होगा, ताकि इसके खरीददार और भुनाने वाले राजनीतिक दलों का पता चल सके। सुप्रीम कोर्ट ने डंडा चलाकर चुनावी बांड की आड़ में भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के सारे खेल को उजागर कर दिया। एसबीआई ने भय के मारे सारी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को दे दी। कोर्ट के आदेश पर चुनाव आयोग ने इसे सार्वजनिक कर दिया। इससे हर एक दानदाता का खुलासा हो गया है। इस पूरे प्रकरण में सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि राजनीतिक दल एक-दूसरे पर कीचड़ उछाल रहे हैं। सभी एक-दूसरे को भ्रष्टाचार का आरोपी बता रहे हैं, जबकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पहले किसी ने चंदा लेने की पारदर्शिता की नीति पर अमल तक करने की जरूरत नहीं समझी। यदि भ्रष्टाचार को खत्म करना है तो हर स्तर पर किया लेन-देन सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

संपादक की कलम से

जहां तक कानून ने देखा

पर्यटन की महफिल में मुसीबतों के पहाड़ का अंदाजा लगाना मुश्किल है, फिर भी अदालती संज्ञान की वजह से हम देख पाते हैं कि कितना काम बाकी और सरकार की हर एजेंसी को इस दिशा में कैसे सोचना होगा। माननीय उच्च न्यायालय ने फोरलेन के किनारे पर मलबे के टीले देखते हुए इन्हें तुरंत प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं। यह कालका-शिमला फोरलेन मार्ग का परिदृश्य है जिसे कानून ने देखा तो खामियां संबोधित हो गईं, वरना इन मंजिलों से रोजाना व्यवस्था लांघ कर भी अनजान है। कालका-शिमला फोरलेन को हाई कोर्ट ने जिस तरह परखा, उस पड़ताल के सबूत हर छोटे-बड़े मार्ग पर डराते हुए मिल जाएंगे। रास्ते की चौड़ाई पर मलबों के ढेर लगे हैं, हकीकत में चारों ओर यही हाल है। माननीय अदालत ने कीरतपुर-मनाली फोरलेन के किनारे आराम से बसे हुए अवैध निर्माण को हटाने के भी निर्देश दिए हैं। आश्चर्य यह कि ऐसे विषय प्रशासन की छाती पर तने हैं, फिर भी कानून को ही हर बार बताना और बुलाना पड़ता है। अवैध कब्जाधारी इतने सशक्त और निर्भय हैं कि सामान्य परिस्थितियों में ऐसा कसूर भी बेकसूर है। हमारी नीतियां, शासन पद्धति की बारीकियां और कार्य संस्कृति इस कद्र की जुगलबंदी में शरीक हैं कि अतिक्रमणकारी अब विशेषाधिकारी हो चुके हैं। सरकारी विकास के मार्ग पर अतिक्रमण के पंजे इतने भारी हैं कि हर परियोजना के विरोध में एक दुकानदारी चली है।

हिमाचल में विशेष आर्थिक जोन की हर वकालत के विरोध के पीछे अतिक्रमणकारी शक्तियां रही हैं और ये व्यवस्थागत व सियासी शरण में सुरक्षित हैं। हर स्थानीय निकाय के जुर्म में उन्हीं के सदस्य अपना बचाव करते हुए जमीन से संपत्तियों तक कब्जा करते रहे। धर्मशाला के कचहरी अड्डे के करीब स्मार्ट रोड की हर लंबाई और चौड़ाई पर एक दुकान खड़ी है, लेकिन शहर को फुर्सत नहीं कि इस अतिक्रमण की विरासत का विरोध करे। प्रदेश के धार्मिक पर्यटन तथा प्रशासनिक शहरों के ऊपर अतिक्रमण के पांव चल रहे हैं, लेकिन नागरिक समाज इससे प्रेरित होकर खुद भी अवसर ढूंढ रहा है। विकास का संघर्ष नागरिक समाज से भी कहीं अधिक अतिक्रमण से है। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के मामले में भी यही तथ्य सामने आया, तो सरकार ने पहली बार अवैध निर्माण के गले में भी मुआवजे का हार डाल दिया। अतिक्रमण के घूमते फिरते दैत्य अब वाहन बने हैं। आप सडक़ें चौड़ी करते जाइए, लेकिन गांव से शहर तक वाहनों के कब्जे में सारी व्यवस्था ध्वस्त है, इसलिए अगर हाई कोर्ट डीसी कुल्लू को पार्किंग व्यवस्था पर निर्देश दे रहा है, तो यह हुक्म हर शहर की योजना में झांक रहा है। वास्तव में हम यानी नागरिक समाज महज खिलौना है, जो यदा कदा अदालती निर्देशों में अपनी किस्मत के चिराग ढूंढता है। प्रदेश ने आज तक पार्किंग के लिए कोई नीति नहीं बनाई। प्रदेश में पंजीकृत 22 लाख वाहनों के अलावा इतने ही अगर बाहरी राज्यों से जुड़ रहे हैं, तो इसका अर्थ पार्किंग को दीन हीन बनाने से तभी रोक सकता है, यदि सरकार त्वरित विचार करे।

हर शहर की चारों दिशाओं में चार मैदान बनाकर, नालों का चैनलाइजेशन करते हुए इनके ऊपर पार्किंग स्थल बना कर या मलबे को दूरगामी परियोजना के तहत आकार देते हुए समाधान ढूंढा जा सकता है। अगर वाहन पंजीकरण के साथ एकमुश्त पार्किंग शुल्क लगाया जाए तो बाईस लाख वाहनों से मात्र हजार-हजार रुपया वसूल कर भी हम सवा दो सौ करोड़ की पार्किंग परियोजनाओं को अमलीजामा पहना सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में दर्जन भर ट्रांसपोर्ट नगर बसा कर तथा हर शहर में महापार्किंग परिसर विकसित करके निजात पा सकते हैं। माननीय अदालत की चिंताओं में पर्यटक सहूलियतों का जिक्र व प्रदेश की छवि का गंभीर प्रश्न उभरता है। कहने को हम पांच करोड़ पर्यटकों की राह देख रहे हैं, लेकिन क्या हम इस आवाजाही में वाहनों की कतार व रफ्तार का अंदाजा लगा रहे हैं।

चर्चा

गिरफ्तारी के मायने

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और शराब घोटाले की नियति शायद यही थी। केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के 9 समन्स को लगातार 'अवैध' करार देते रहे और कभी पेश नहीं हुए। यह करके केजरीवाल ने संविधान और कानून को भी ठेंगा दिखाया। दिल्ली उच्च न्यायालय के जरिए उन्होंने 2 माह का संरक्षण मांगा, ताकि वह आम चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के लिए प्रचार कर सकें। इस अवधि के दौरान उन्हें गिरफ्तार न किया जाए, लेकिन ईडी की पटकथा में 'क्लाईमेक्स' तब आया, जब न्यायाधीशों ने चैंबर में शराब घोटाले और ईडी की जांच से जुड़े दस्तावेजों को देखा। नतीजतन अदालत ने केजरीवाल को संरक्षण देने से इंकार कर दिया। पटकथा अंतिम अध्याय की ओर बढऩे लगी। ईडी गुरुवार शाम को ही मुख्यमंत्री आवास जा धमकी। शुरुआत में कहा गया कि टीम 10वां समन देने आई है। कुछ तलाशी की दलीलें भी दी गईं। ईडी की टीम कानूनन दस्तावेज तैयार कर आई थी। अंततः 2 घंटे से अधिक समय तक आधा दर्जन अधिकारियों ने केजरीवाल से पूछताछ की, फिर वही हुआ, जो ऐसे मामलों में होता रहा है। केजरीवाल देश के प्रथम पदासीन मुख्यमंत्री हैं, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। अब केजरीवाल को धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत ईडी की गिरफ्तारी में रहकर उन सवालों को झेलना पड़ेगा, जिन्हें वह और 'आप' के प्रवक्ता हंसी और हवा में उड़ाते रहे थे।

अक्सर उनके तर्क रहते थे कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ केजरीवाल से ही डरते हैं, लिहाजा उन्हें जेल में डालना चाहते हैं। ऐसे तर्क सियासत की भाषा तक ही सीमित हैं, अलबत्ता मोदी 10 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं और किसी से डर कर या खौफ खाकर उन्होंने ये जनादेश प्राप्त नहीं किए। अब वह तीसरे कार्यकाल के लिए जनादेश हासिल करने की होड़ में जुटे हैं। चूंकि धनशोधन का कानून बेहद कड़ा और पेचीदा है, लिहाजा दिल्ली सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया 13 महीने और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन 23 महीने से जेल की सलाखों में कैद हैं। 'आप' के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी बीते अक्तूबर माह से जेल में हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं सर्वोच्च अदालत के स्तर पर खारिज की जा चुकी हैं। आम आदमी का 'खास' और शीर्ष नेतृत्व जेल में बंद हो चुके हैं। 'आप' के लिए पहला राजनीतिक और अस्तित्व संबंधी संकट यही है। 'आप' के 14 और नेता जेल जा चुके हैं और जमानत पर बाहर हैं। ईडी ने बीते दिनों तेलंगाना की 'भारत राष्ट्र समिति' पार्टी की नेता के. कविता की गिरफ्तारी के बाद एक प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया था कि कविता के जरिए 100 करोड़ रुपए आम आदमी पार्टी को दिए गए। केजरीवाल 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक हैं, लिहाजा वह प्रत्यक्ष तौर पर जवाबदेह हैं। यदि केजरीवाल खुद को बिल्कुल मासूम और निर्लिप्त मानते हैं, तो उन्हें यह साबित करना होगा। ईडी का यह भी दावा है कि 100 करोड़ रुपए की घूस और शराब नीति से 2873 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। शराब माफिया को फायदा पहुंचाने के लिए 136 करोड़ रुपए की लाइसेंस फीस माफ की गई। उसके एवज में 100 करोड़ रुपए की घूस दी गई। संभव है कि अब ईडी केजरीवाल और कविता को आमने-सामने बिठा कर सवाल-जवाब करेगा, तो कई सत्य बेपर्दा हो सकते हैं। बेशक केजरीवाल जेल में रहकर भी सरकार चला सकते हैं।

राजेंद्र राजन

सामाजिक क्रांति के प्रतीक थे भगत सिंह

जिस लाहौर सेंट्रल जेल में भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव को फांसी दी गई थी, वह पूरी तरह ज़मींदोज़ हो चुकी है। उसके सामने एक मस्जिद का निर्माण हो चुका है। भगत सिंह की शहादत की धरोहर को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर उसे संग्रहालय का रूप देने की ओर पाकिस्तान के रहबरों की संवेदनहीनता बनी रही

करीब एक सदी के बाद भी भगत सिंह व उनके साथियों की शहादत अगर करोड़ों भारतवासियों के लिए प्रेरणादायक बनी हुई है तो यह इस बात का साक्षी है कि सर्वहारा के शोषण, उत्पीडऩ, अत्याचार के विरुद्ध न्यायप्रिय आवाज़ें हर युग, हर दौर में मुखर रहेंगी। बीसवीं सदी में महात्मा गांधी के अलावा जिस शख़्स ने देश व दुनिया भर में अपने विचारों व शहादत से बेशुमार जनमानस के हृदय को आंदोलित किया, उसके शीर्ष पर केवल एक नाम व उसके साथी सुशोभित हैं। यानी भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव। प्रायः गांधी को अहिंसा का पुजारी और भगत सिंह को हिंसा या आतंक से आज़ादी हासिल करने का प्रतीक माना जाता है। छोटी आयु में ही भगत सिंह कार्ल मार्क्स, लेनिन, मैक्सिम गोर्की व अन्य अनेक लेखकों के विचारों से अभिप्रेरित हुए थे। वे पूंजीपतियों व संसाधनों पर कब्जा जमाए अमीरजादों और मजदूरों, किसानों के मध्य बनी रहने वाले खाई को पाटना चाहते थे। 200 साल पहले कार्ल मार्क्स ने यही स्वप्न देखा था। आज़ाद भारत के नक्शे पर भगत सिंह मजदूरों व आम आदमी के जिस सम्मान, स्वाभिमान व आर्थिक रूप से समाज में उनके कल्याण व उत्थान का सपना देख रहे थे, वह साकार होने की बज़ाय ध्वस्त हुआ है। पूंजी और संसाधनों का गरीब तबके पर नियंत्रण यथावत बना हुआ है। क्रांति का अर्थ खूनी लड़ाई नहीं है। बम या पिस्तौल का प्रयोग एकमात्र उद्देश्य नहीं है। क्रांति का मूल उद्देश्य उस अन्याय को समूल्य नष्ट करना है जिसकी बुनियाद पर शासन प्रणाली का निर्माण हुआ है। किसान, मजदूर हाशिए पर हैं।

उनकी गहरी कमाई का सारा धन पूंजीपति चख रहे हैं। किसान अन्नदाता है, लेकिन दाने-दाने को मोहताज है। सूत कातने वाला जुलाहे के पास अपना व अपने परिवार का तन ढांपने के लिए कपड़ा नहीं है। राजगीर, लौहार तथा बढ़ई सुंदर महलों, घरों का निर्माण करते हैं, लेकिन उन्हें सूअर की तरह गंदे बाड़ों में जीवन के अंत तक रहना पड़ता है। फांसी से कुछ हफ्ते पहले भगत सिंह ने 'यंग पॉलिटिकल वर्कर्स' पत्रिका में लिखा था, आप क्रांति अमर रहे के नारे लगाते हैं। मैं यह मानकर चल रहा हूं कि क्रांति का वास्तविक अर्थ मौजूदा सामाजिक व्यवस्था का तख्ता पलटा है। इसे समाजवाद की व्यवस्था से बदलना होगा। कांग्रेस मध्यवर्ग के दुकानदारों और पूंजीपतियों की पार्टी है। ये ऐसा तबका है जो क्रांति के आंदोलन में अपनी जायदाद प्रापर्टी को अपने हाथों से छिन जाने का जोखिम नहीं उठा सकता। क्रांति की सेवा गांवों और फैक्टरियों में है। भगत सिंह समाज की बेशुमार समस्याओं पर एक साथ मुखर थे। साल 1923 में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन के बाद अस्पृश्यता पर एक लेख लिखा था। यह लेख उस दौर में अमृत्तसर से छपने वाली पत्रिका 'किरत' में छपा था। वेद, पुराण, उपनिषद, भगवद्गीता आदि धार्मिक ग्रंथ दलितों की पहुंच से बाहर हैं। वे उन्हें छूने की कल्पना तक नहीं कर सकते। वे ब्राह्मणों की परम्परा के अनुसार गले में जनेऊ नहीं पहन सकते। छुआछूत पर उनका कहना था, 'किसी भी देश में कभी ऐसी सड़ी गली व्यवस्था नहीं होगी जैसी भारत में है।' जून 1928 को वे लिखते हैं, 'बड़ा प्रश्न दलितों का है। 30 करोड़ आबादी में 6 करोड़ अछूत हैं। अगर कोई स्वर्ण उन्हें छू लेता है तो उसका धर्म प्रदूषित हो जाता है। अगर वे मंदिरों में जाते हैं तो देवता रूठ जाते हैं। कुएं से पानी भरते हैं तो जल प्रदूषित हो जाता है।

कल्पना करो एक कुत्ता हमारी गोद में बैठ सकता है, रसोई में भी जा सकता है, मगर कोई दलित आपको स्पर्श कर ले तो धर्म बर्बाद हो जाता है। महान समाज सुधारक मदन मोहन मालवीय को अगर कोई वाल्मीकि फूलों का हार पहना दे तो वे तुरंत नहाने चले जाते हैं। अपने कपड़े धोते हैं ताकि अछूत के स्पर्श से स्वयं को शुद्ध कर सकें।' तीनों क्रांतिकारियों को फांसी के पूर्व और बाद की घटनाओं में महात्मा गांधी की भूमिका को लेकर समूचा देश सकते की स्थिति में था। देशवासी चाहते थे कि गांधी वाइसराय पर फांसी रोक देने का दबाव बनाएं। लेकिन गांधी राजनीतिक हिंसा, कत्लोगारत के विरुद्ध थे। गांधी ने फांसी के बाद कहा था, 'हमें यह समझ कर संतोष करना होगा कि फांसी की सजाएं रद्द करना संधि के प्रस्तावों के निहित न था। मेरी व्यक्तिगत राय से भगत सिंह और उनके साथियों को फांसी से हमारी शक्ति बढ़ गई है। सरकार पर हम गुंडेपन का आरोप लगा सकते हैं, परंतु संधि भंग करने का दोष नहीं मढ़ सकते। फांसी से पूर्व कांग्रेस से लोगों ने अपील की थी कि वह सरकार से समझौते की शर्तों में एक शर्त भगत सिंह व उनके साथियों की रिहाई की मांग रखे। इससे गांधी ने इन्कार कर दिया था। वे बम या पिस्तौल कल्ट के विरुद्ध थे।

दूसरी ओर मदन मोहन मालवीय फांसी की संजा से बेहद क्षुब्ध और द्रवित थे। 14 फरवरी 1931 को इलाहाबाद से उन्होंने वाइसराय को तार भेजकर फांसी रद्द करने की अपील की थी। नेहरू भी फांसी के बाद ज़ार-ज़ार रोये थे। उन्होंने कहा था, फांसी के बाद देश के कोने-कोने में शोक का अंधकार छा जाएगा। परंतु उनके ऊपर हमें अभिमान भी होगा। जब इंग्लैंड हमसे संधि का प्रस्ताव करेगा, उस समय उसके और हमारे बीच में भगत सिंह का मृत्त शरीर उस समय तक रहेगा जब तक हम उसे विस्मृत्त न कर दें। संक्षेप में भगत सिंह व अन्य क्रांतिकारियों के विचारों की प्रासंगिकता हर दौर में रहेगी। जिस लाहौर सेंट्रल जेल में भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव को फांसी दी गई थी, वह पूरी तरह ज़मींदोज़ हो चुकी है। उसके सामने एक मस्जिद का निर्माण हो चुका है। भगत सिंह की शहादत की धरोहर को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर उसे संग्रहालय का रूप देने की ओर पाकिस्तान के रहबरों की संवेदनहीनता बनी रही। वे कोठरियां जिनमें तीनों शहीदों को रखा गया था, का नामोनिशान की एक भी ईंट साक्षी नहीं है। तख्तों पर लटकाने के लिए जिस जगह का इंतखाब किया गया था, वहां एक गोलचक्कर बन चुका है जिसके इर्द-गिर्द सडक़ें हैं।

नेता जी की कोठी में मदनोत्सव

"सडक़ छाप समर्थकों की बजाय धन्ना सेठों और ब्यूरोक्रेट्स की गाडिय़ां नेताजी की कोठी की शोभा बढ़ाने लगती हैं। नेताजी जब अपने राजयोग को और मजबूत करने के लिए मंगल, केतु, राहु और शनि जैसे ग्रहों को साध लेते हैं और बिल्ली के भाग्य से छींका फूटने की तजर् पर जब उन्हें झंडी वाली गाड़ी मिल जाती है तो फिर उत्सवों का सिलसिला स्थायी रूप धारण कर लेता है।

वैसे तो नेता जी की कोठी में उत्सव होना कोई नई बात नहीं है। इधर चुनावों का बिगुल बजता है, उधर नेता जी के घर उत्सव शुरू हो जाता है। दारू की पेटियां पहुंचने लगती हैं। शौकीनों की बहार आ जाती है। दो घूंट अंदर जाते ही 'जिंदाबाद-जिंदाबाद' के नारों से पूरी कोठी गुंजायमान हो जाती है। नेताजी के चुनाव जीतने के बाद तो उत्सव लगातार कई दिन चलता है। पूरी कोठी रंगीन लाइटों से जगमग करने लगती है। बधाई देने के लिए जब थोड़ा रुतबे वाले लोग आते हैं तो जाहिर है कि दारू के ब्रांड भी सुपीरियर हो जाते हैं। अब सडक़ छाप समर्थकों की बजाय धन्ना सेठों और ब्यूरोक्रेट्स की गाडिय़ां नेताजी की कोठी की शोभा बढ़ाने लगती हैं। नेताजी जब अपने राजयोग को और मजबूत करने के लिए मंगल, केतु, राहु और शनि जैसे ग्रहों को साध लेते हैं और बिल्ली के भाग्य से छींका फूटने की तजर् पर जब उन्हें झंडी वाली गाड़ी मिल जाती है तो फिर उत्सवों का सिलसिला स्थायी रूप धारण कर लेता है। उनके घर जाती रोड वीआईपी रोड में तब्दील हो जाती है। पायलट गाड़ी नेताजी के आगे पीछे लग जाती है। उनकी पांचों उंगलियां घी में और सिर कड़ाही में हो जाता है।

यानी उत्सवों का नशा सिर चढक़र बोलने लगता है। नेताजी का रोम-रोम उत्सवमय हो जाता है। उत्सवों की अंतहीन श्रृंखला में पहली मर्तबा नेताजी की कोठी पर मदनोत्सव का आयोजन हुआ। अफसर और अफसरनियां तो गुलाल लेकर आए ही, नेताजी की कई चेलियां भी वहां खिलखिलाती हुई नमूदार हो गईं। उनके चेहरे रंग से इतने पुते हुए थे कि यह पता लगाना मुश्किल था कि उनमें शीला कौन है, लीला कौन है और बसंती कौन'! नेताजी एक संत की तरह विनम्रता की प्रतिमूर्ति बने अपने चेहरे पर रंग लगवाए जा रहे थे और बीच-बीच में किसी-किसी से कनखियों में बतियाये भी जा रहे थे। उनके चेहरे की रंगत और आंखों का नूर देखते ही बनता था। वे अच्छे खासे सिद्ध पुरुष मालूम पड़ रहे थे।

मदनोत्सव के लिए नेता जी ने क्या क्या प्लानिंग कर रखी है, यह जानने की उत्सुकता खाकसर के भीतर कुलांचे भर रही थी। जेहन में लगातार नए नए आइडिया दस्तक दे रहे थे। एक आइडिया ने दिमाग में ऐसी सरगोशी की कि खाकसार भी पैंट, कोट, हैट और काला चश्मा लगाकर किसी सुपर हीरो की तरह मस्ती से डग भरते और सिक्योरिटी गार्डों का सलाम कबूलते हुए भीतर पहुंचने में कामयाब हो गया। फिर किसी मंझे हुए एंकर की तरह अपने मोबाइल से नेताजी की कोठी में चल रहे मदनोत्सव का नजारा लाइव दिखाना शुरू कर दिया। अब लोग लाइव देख रहे हैं 'और क्या देख रहे हैं कि' नेताजी को रंग लगाने दूसरे दलों के नेता भी आए हैं। जिनके खिलाफ नेताजी आए रोज बयानों के गोले छोड़ते हैं, वे भी नेताजी की बगल में विराजमान हैं।

एक-दूसरे को कोहनियां मार रहे हैं। एक दूसरे के कान में फुसफुसा रहे हैं। स्माइल पर स्माइल दे रहे हैं। ऐसे लग रहा है जैसे दोनों विरोधी नहीं बल्कि एक ही थैली के चट्टे बट्टे हों। राजनीति में पार्टनर हों। एक दूसरे के कारनामों के राजदार हों। लोग लाइव देख रहे हैं' कि नेताजी भीतर से पुरानी ढोलकी उठा लाए हैं और ढोलकी पर थाप देते हुए नृत्य की मुद्रा में आ गए हैं। उनके समर्थक 'जय हो' का नारा लगा रहे हैं और नेताजी ठुमक ठुमक कर होली के रंग हवा में बिखेर रहे हैं। उनकी भाव भंगिमाएं सभी को चकित कर रही हैं। नेताजी लीडर होने के साथ-साथ अच्छे खासे नर्तक भी हैं, ऐसा दृश्य पहली बार लोग देख रहे हैं। लोग तालियां बजा रहे हैं। एक अति उत्साही समर्थक ने डीजे बजाना भी शुरू कर दिया है। मदनोत्सव अपने शबाब पर है। खाकसार ने भी लाइव कवरेज बीच में छोडक़र नेताजी की एक चेली के साथ नाचना शुरू कर दिया है'। नेताजी की कोठी की होली ब्रज की होली में तब्दील होने लगी है। गोपियां पूरी मस्ती में हैं। नेताजी परिदृश्य से ओझल हो रहे हैं और खाकसार गोपियों से घिरते जा रहे हैं'।

गुरमीत बेदी

बीमा सुगम पोर्टल की लॉन्चिंग जल्द; इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदना और क्लेम सेटलमेंट हो जाएगा आसान

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने इंश्योरेंस ई-मार्केटप्लेस 'बीमा सुगम' (Bima Sugam Portal) को मंजूरी दे दी है। इससे एक ऐसा इंश्योरेंस इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा जहां सभी बीमा कंपनियों की जानकारी एक प्लेटफॉर्म पर मिल जाएंगी। इस पोर्टल के जरिए इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदी जा सकेंगी और क्लेम सेटलमेंट का प्रोसेस भी आसान और तेज हो जाएगा।

नई दिल्ली : इंश्योरेंस रेगुलेटर इरडा ने 2047 तक सभी तक बीमा सेवाएं पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इरडा बीमा संबंधी नियमों और सेवाओं में समय-समय पर बदलाव कर रहा है। अब इंश्योरेंस रेगुलेटरी एवं डेवलपमेंट अथारिटी आफ इंडिया (इरडा) ने हाल में आयोजित अपनी बोर्ड बैठक में इंश्योरेंस ई-मार्केटप्लेस बीमा सुगम की स्थापना को मंजूरी दे दी है। जल्द ही इस पोर्टल को लॉन्च कर दिया जाएगा। इरडा ने एक बयान में कहा कि यह बीमा क्षेत्र के सभी हितधारकों जैसे ग्राहक, बीमा कंपनी, मध्यस्थों और एजेंटों के लिए वन-स्टाप सॉल्यूशन प्लेटफार्म की तरह काम करेगा। इससे पूरे बीमा क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और सहयोग बढ़ेगा। इस पोर्टल की लॉन्चिंग से बीमा खरीदना बेहद आसान हो जाएगा। पोर्टल पर सभी बीमा कंपनियों के उत्पाद उपलब्ध होंगे और ग्राहक सभी बीमा उत्पादों की तुलना करके अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी कर सकेंगे।

इस पोर्टल पर सभी बीमा कंपनियों की वेबसाइट या एजेंट्स से संपर्क करने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। पोर्टल पर पॉलिसीहोल्डर्स को क्लेम करने की सुविधा भी मिलेगी। साथ ही पॉलिसीहोल्डर अपने क्लेम की निगरानी भी कर सकेंगे। इरडा ने कहा कि बीमा सुगम पोर्टल का उद्देश्य पॉलिसीहोल्डर्स को सशक्त बनाने और 2047 तक सभी के लिए बीमा का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए एक डिजिटल सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना है।

इसके अलावा इरडा ने बोर्ड बैठक में ईज आफ डूइंग को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा 34 नियमों का विलय करके छह नियम बनाए हैं। इसके साथ ही दो नए नियमों को भी मंजूरी दी गई है। इनमें पॉलिसीहोल्डर के हितों की सुरक्षा, ग्रामीण और सामाजिक क्षेत्र की जिम्मेदारियां, इलेक्ट्रानिक बीमा बाजार, बीमा उत्पाद और विदेशी पुनर्बीमा शाखाओं का संचालन व पंजीकरण, वित्त, निवेश और कारपोरेट प्रशासन से संबंधित नियम शामिल हैं। नए नियमों में बीमा पालिसी सरेंडर करने पर गारंटीड रिटर्न भी शामिल है। हालांकि, इन नियमों के संबंध में इरडा की ओर से विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

बिना शुल्क मिलेंगी सारी सेवाएं

इरडा की ओर से पूर्व में जारी मसौदा के अनुसार, बीमा सुगम पोर्टल पर ग्राहकों को सभी सेवाएं बिना किसी शुल्क मिलेंगी। इस पोर्टल को एक कंपनी के रूप में गठित किया जाएगा। इसकी निगरानी के लिए एक चेयरमैन और कुछ प्रमुख लोगों को प्रमुख प्रबंधक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इरडा का मानना है कि ई-मार्केटप्लेस बीमा सुगम डिजिटल भुगतान के लिए प्रचलित यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की तरह बीमा क्षेत्र के लिए काम करेगा।

एक और स्वास्थ्य बीमा कंपनी को मंजूरी

इरडा ने बताया कि बोर्ड बैठक में एक और स्वास्थ्य बीमा कंपनी गैलेक्सी हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को कारोबार की मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार करने वाली कंपनियों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। इरडा ने बताया कि बीते एक वर्ष के दौरान जीवन, गैर-जीवन और स्वास्थ्य बीमा से जुड़ी कुल छह कंपनियों को कारोबार की मंजूरी दी गई है।

SBI नेट बैंकिंग, मोबाइल और YONO ऐप की सर्विसेज आज रहेंगी डाउन, यहां जानें जरूरी डिटेल

भारतीय स्टेट बैंक यानी SBI ने बताता कि आज यानी 23 मार्च को कुछ डिजिटल चैनल्स काम नहीं करेंगे। हालांकि यह समस्या केवल कुछ समय के लिए होगी। बैंक ने अपनी साइट सूचित किया है इंटरनेट बैंकिंग योनो लाइट योनो बिजनेस वेब और मोबाइल ऐप योनो और यूपीआई की सेवाएं काम नहीं करेंगी। आइये इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक ने एक नोटिफिकेश जारी करके बताया है कि आज यानी 23 मार्च को इसकी कुछ सर्विसेज काम नहीं करेंगी। इसके कुछ डिजिटल ऑप्स, जैसे नेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप, योनो, 23 मार्च को उपलब्ध नहीं होंगे।

बैंकों ने अपनी वेबसाइट बताया है कि इंटरनेट बैंकिंग, योनो लाइट, योनो बिजनेस की सेवाएं, वेब और मोबाइल ऐप, योनो और यूपीआई निर्धारित गतिविधि के कारण कुछ घंटों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

कब तक बंद करेगी सेवा

बैंक ने बताया कि सेवाएं 23 मार्च 2024 को 01:10 बजे और 02:10 बजे के बीच उपलब्ध नहीं होंगी। हालांकि इस दौरान यूपीआई लाइट और एटीएम की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

ऐसे में आप यूपीआई लाइट के जरिए अपना काम चला सकते हैं। अगर आप यूपीआई लाइट के बारे में नहीं जानते हैं तो हम यहां आपको इसक बारे में बताने जा रहे हैं।

बता दें कि UPI LITE एक नया पेमेंट समाधान है, जो कम कीमत के लेनदेन करने के लिए NPCI कॉमन लाइब्रेरी (CL) एप्लिकेशन का उपयोग करता है, जो कि एक तय सीमा से नीचे निर्धारित किया गया है।

कैसे इनेबल करें UPI लाइट

जैसा कि हम जानते हैं कि SBI की सेवाओं के बंद होने पर आप यूपीआई लाइट का उपयोग कर सकते हैं। ऐसे में यहां हम आपको इसके तरीके के बारे में बता रहे हैं।

सबसे पहले अपना UPI ऐप खोलें।

अब ऐप की होम स्क्रीन पर UPI LITE सक्षम करने का विकल्प दिखाई देगा उसे क्लिक करें।

इसके बाद नियम एवं शर्तों को पढ़ें और स्वीकार करें।

फिर UPI LITE में जोड़ने के लिए अमाउंट दर्ज करें और बैंक खाता चुनें।

इसके बाद अपना UPI पिन दर्ज करें और आपका काम हो जाएगा।

अमेरिका भी चखेगा 'टेस्ट ऑफ इंडिया' अब वहां भी अपने दुग्ध उत्पाद बेचेगी अमूल

GCMMF के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने बताया कि हमने अमेरिका की 108 वर्ष पुरानी डेयरी कोऑपरेटिव मिशिगन मिल्क प्रोड्यूशर्स एसोसिएशन के साथ अपने उत्पाद बेचने के लिए गत 20 मार्च को समझौता किया है। मेहता ने बताया कि यह पहली बार है जब हमने भारत से बाहर अमेरिका जैसे बाजार में अमूल के ताजा उत्पादों की रेंज लांच करेंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

आणंद। दुग्ध उत्पाद बेचने वाली देश की लोकप्रिय कंपनी अमूल (Amul) अब अमेरिका में भी ताजा उत्पादों की बिक्री करेगी। इसके साथ अमेरिका पहला देश बन गया है जहां पर अमूल के उत्पाद लांच किए जाएंगे। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) अमूल ब्रांड नाम से उत्पादों की बिक्री करती है।

अमेरिका में भी टेस्ट ऑफ इंडिया

जीसीएमएमएफ (GCMMF) के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने बताया कि हमने अमेरिका की 108 वर्ष पुरानी डेयरी कोऑपरेटिव मिशिगन मिल्क प्रोड्यूशर्स एसोसिएशन के साथ अपने उत्पाद बेचने के लिए गत 20 मार्च को समझौता किया है। मेहता ने बताया कि यह पहली बार है जब हमने भारत से बाहर अमेरिका जैसे बाजार में अमूल के ताजा उत्पादों की रेंज लांच करेंगे। यहां भारतीय और एशियाई प्रवासियों की तादा काफी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप विस्तार के साथ अमूल के सबसे बड़ी डेयरी कंपनी बनने की उम्मीद है। अमूल से करीब 36 हजार किसान जुड़े हैं और यह हर रोज करीब 3.5 करोड़ दूध की प्रोसेसिंग करती है।

वैश्विक दूध उत्पादन में लगभग 21 प्रतिशत योगदान

बता दें भारत वैश्विक दूध उत्पादन में लगभग 21 प्रतिशत का योगदान देता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 1950 और 1960 के दशक के दौरान भारत के डेयरी क्षेत्र की स्थिति मौलिक रूप से अलग थी क्योंकि यह दूध की कमी वाला देश था और आयात पर अधिक निर्भर था।

हर महीने देते हैं PF अकाउंट में अंशदान, पर क्या आपको पता है ब्याज कैलकुलेट करने का तरीका?

परिवहन विशेष न्यूज

एंप्लॉयीज प्रोविडेंट फंड (EPF) प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करने का एक अहम साधन है। इसमें कर्मचारी और उसकी कंपनी दोनों योगदान देते हैं और सरकार उस रकम पर ब्याज देती है। लेकिन क्या आपको पता है कि EPF में ब्याज की गणना कैसे होती है? अगर नहीं पता तो हम आपको पूरी जानकारी दे रहे हैं।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए कई योजनाएं चलाती हैं। इनमें एंप्लॉयीज प्रोविडेंट फंड (EPF) प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक अहम कड़ी है। यह एंप्लॉयीज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (EPFO) और केंद्र सरकार की रिटायरमेंट बचत योजना है। इसमें हर महीने कर्मचारी और उनकी कंपनी अंशदान देती हैं, जिस पर सरकार उन्हें ब्याज देती है।

लेकिन, क्या आपको पता है कि EPF में ब्याज की गणना कैसे होती है? अगर नहीं पता, तो हम आपको बताते हैं कि EPF में अंशदान कैसे होता है और ब्याज कैसे कैलकुलेट किया जाता है।

EPF में अंशदान कैसे होता है?

EPF में हर महीने कर्मचारी की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ते (DA) में से 12 प्रतिशत का अंशदान जाता है। उसकी कंपनी भी इसमें बराबर का योगदान देती है। मतलब कि अगर आपकी सैलरी में 3 हजार PF कट रहा है, तो कंपनी को भी इतनी रकम अपनी ओर से देनी पड़ेगी। हालांकि, कंपनी वाले योगदान का एक हिस्सा एंप्लॉयी पेंशन स्कीम के लिए भी जाता है।

कैसे होता है ब्याज का कैलकुलेशन?

मान लीजिए कि एक शख्स हैं राहुल। वह प्राइवेट सेक्टर में काम करते हैं। उनकी बेसिक सैलरी और डियरनेस अलाउंस यानी महंगाई भत्ता मिलाकर महीने का 15 हजार रुपये बनता है। EPF पर ब्याज दरों पर सरकार हर तिमाही विचार करती है और फिलहाल इंटरेस्ट रेट 8.25 फीसदी है।

अब 15 हजार रुपये का 12 प्रतिशत होता है 18 सौ रुपये। मतलब कि राहुल की सैलरी से हर महीने 18 सौ रुपये कटेंगे और EPF में जमा होंगे। कंपनी EPF में सिर्फ 3.67 प्रतिशत का योगदान देती है, जो करीब 550 रुपये बनते हैं। बाकी 8.33 प्रतिशत यानी 1,250 रुपये एंप्लॉयी पेंशन स्कीम (EPS) में जाते हैं।

इस हिसाब से कंपनी और राहुल का मिलाकर EPF कुल मंथली कंट्रीब्यूशन होता है 1800+550 यानी 2,350 रुपये। EPF पर मौजूदा इंटरेस्ट रेट है 8.25 प्रतिशत सालाना। लेकिन, ब्याज की गणना मंथली ऑपरेटिंग बैलेंस पर होती है। ऐसे में प्रति माह इंटरेस्ट होगा, 8.5% /12 यानी 0.7083%।

अब पहले महीने के लिए EPF पर इंटरेस्ट नहीं मिलता, क्योंकि शुरुआती शेष राशि शून्य होती है। दूसरे महीने में कर्मचारी और कंपनी का योगदान 2,350 रुपये है और EPF खाते का बैलेंस हो जाएगा 4,700 रुपये। अब इस महीने का ब्याज निकालने के लिए हमें EPF बैलेंस में मंथली इंटरेस्ट रेट से गुणा करना होगा। मतलब कि 4,700 रुपये * 0.7083 और इस हिसाब से महीने का ब्याज होगा 33.20 रुपये।

कब मिलती है EPF की रकम?

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) का मकसद प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद आर्थिक रूप से सशक्त रखना है। यही वजह है कि यह पैसा रिटायरमेंट पर कर्मचारी को एकमुश्त मिलता है।

इसमें कर्मचारी का अंशदान, कंपनी का योगदान और उन दोनों के कंट्रीब्यूशन पर सरकार की ओर से दिया गया ब्याज शामिल होता है। हालांकि, कुछ परिस्थितियों में, जैसे कि शादी, जमीन खरीदना या फिर मेडिकल इमरजेंसी, रिटायरमेंट से पहले भी पैसा निकालने की अनुमति देता है।

सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध फिर बढ़ाया, जानिए आपकी थाली पर क्या होगा असर?

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्र सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने पहले भी प्याज के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाई थी जो 31 मार्च 2024 को खत्म होने वाली थी। सरकार का कहना है कि उसने घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है। हालांकि कारोबारियों ने सरकार के फैसले को गैरजरूरी बताते हुए नाराजगी जताई है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में उपलब्धता बनाए रखने और कीमतों पर नियंत्रण के लिए प्याज के निर्यात पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इससे पहले 31 मार्च 2024 तक के लिए निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से शुक्रवार देर रात जारी एक अधिसूचना के अनुसार, प्याज निर्यात पर लगे प्रतिबंध को अगले आदेश तक के लिए बढ़ाया गया है। इसका मकसद है कि देश में प्याज किल्लत ना हो और गरीब की थाली प्याज बरकरार रहे।

केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष आठ दिसंबर को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। हालांकि, मैत्री देशों के लिए पूर्व मंजूरी के आधार पर प्याज का निर्यात जारी है। रबी सीजन 2023 में देश में 2.27 करोड़ टन प्याज के उत्पादन का अनुमान जताया गया था।

सरकार ने सब्सिडी पर बेची थी प्याज

बढ़ती कीमतों से उपभोक्ताओ को राहत दिलाने के लिए सरकार ने अक्टूबर 2023 में बफर स्टाक से सब्सिडी पर प्याज बेचने का फैसला किया था। सरकारी एजेंसियों के जरिये खुदरा बाजारों में इस प्याज की बिक्री 25 रुपये प्रति किलोग्राम पर की गई थी।

रॉयटर्स के अनुसार, व्यापारियों का अनुमान था कि सरकार 31 मार्च के बाद प्याज निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटा देगी। इसका कारण यह है कि

निर्यात प्रतिबंध लागू होने के कारण स्थानीय स्तर पर प्याज की कीमत आधी हो गई है। साथ ही चालू सीजन की फसल से ताजा आपूर्ति भी शुरू हो गई है।

निर्यातक पाबंदी बढ़ने से नाराज

मुंबई की एक निर्यात फर्म का कहना है कि निर्यात प्रतिबंध में विस्तार पूरी तरह से चौंकानेवाला और गैरजरूरी है। निर्यातकों की दलील है कि प्याज की सप्लाई बढ़ने और कीमतें घटने के बावजूद निर्यात पर पाबंदी लगाई जा रही है।

महाराष्ट्र की बात करें, तो प्याज का थोक भाव 1,200 रुपये प्रति क्विंटल तक गिर चुका है। यह दिसंबर में 4,500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था। बांग्लादेश, मलेशिया, नेपाल और संयुक्त अमीरात काफी हद तक भारत से आने वाली प्याज पर निर्भर रहते हैं।

क्रेडिट स्कोर को लेकर आप भी झेल रहे परेशानी, ये 5 कारण हो सकते हैं जिम्मेदार

परिवहन विशेष न्यूज

क्रेडिट कार्ड हमारे लिए काफी काम का हो सकता है बशर्ते उसका इस्तेमाल सोच समझकर किया जाए। जैसे कि सैलरी खत्म होने के बाद जरूरी बिल चुकाना। लेकिन कई बार हम क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल बेहद लापरवाही के साथ करते हैं। इससे हमारा क्रेडिट स्कोर बिगड़ने का खतरा रहता है। आइए जानते हैं क्रेडिट कार्ड से क्रेडिट स्कोर बढ़ाने का तरीका।

नई दिल्ली : हमारे सामने अक्सर ऐसे हालात आते हैं, जब हमें लोन लेना पड़ता है। ऐसे में बैंक कर्ज देने से पहले जो चीज सबसे पहले देखता है, वो है हमारा क्रेडिट स्कोर। अगर क्रेडिट स्कोर खराब रहता है, तो कर्ज मिलने में दिक्कत भी हो सकती है।

आइए जानते हैं कि किन कारणों से हमारा क्रेडिट स्कोर खराब हो सकता है और इसे सही रखने के लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए।

समय पर क्रेडिट कार्ड बिल ना चुकाना

आपको एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि क्रेडिट कार्ड से खर्च किए पैसे असल में कर्ज ही हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी चुका देंगे। आपके क्रेडिट स्कोर के लिए उतना ही अच्छा होगा।

वित्तीय संस्थाएं कर्ज देने से पहले आपके इस रिकॉर्ड को अच्छे से खंगालती हैं कि आप क्रेडिट कार्ड के बिल का समय पर पेमेंट करते हैं या नहीं। इसमें 30 दिन की देरी से क्रेडिट स्कोर 17 से 37 अंक तक फिसल सकता है।

क्रेडिट कार्ड से बड़ी खरीदारी ना करें

क्रेडिट कार्ड हाथ में होने से हम धड़ल्ले से खरीदारी करने लगते हैं। लेकिन, इससे वित्तीय संस्थाओं को पता चलता है कि हमारा क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो अधिक है यानी हमारी कर्ज पर निर्भरता अधिक है।

ऐसे आपको क्रेडिट कार्ड में मौजूद लिमिट का अधिक से अधिक 30 फीसदी ही इस्तेमाल करना चाहिए। जितना हो सके, क्रेडिट कार्ड से बड़ी शॉपिंग करने से परहेज करें।

क्रेडिट कार्ड से लोन पेमेंट ना करें

क्रेडिट कार्ड से लोन पेमेंट का मतलब है, कर्ज लेकर कर्ज चुकाना। इससे बेमतलब आपका क्रेडिट स्कोर खराब हो सकता है। कुछ मामलों में यह चीज अच्छी हो सकती है। आपका क्रेडिट स्कोर में भी थोड़ा-बहुत इजाफा हो सकता है। लेकिन, कुल मिलाकर क्रेडिट कार्ड से लोन पेमेंट अच्छी बात नहीं है।

फिलहाल देश की सुपुर पावर हैं सीजेआई चंद्रचूड़

फिलहाल देश में 2024 लोकसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो चुका है। देश की संसद के सभी सत्र पूरे हो चुके हैं अब संसद का अगला सत्र नई सरकार बनने के बाद ही लग पाएगा। ऐसे में संसद के पास देश में कोई नया कानून लाकर सुप्रीम कोर्ट के किसी फैसले को बदलने की ताकत फिलहाल की स्तिथि में नहीं है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ फिलहाल देश के सबसे अधिक ताक़तवर व्यक्ति हैं। लेकिन बहुत से लोगों को ये भ्रम होता है कि भारत में सबसे ताकतवर व्यक्ति उस देश का प्रधानमंत्री होता है। हालाकिं ऐसा नहीं है, सबसे ताक़तवर इस देश में कार्यपालिका और न्यायपालिका होती है, जो एक दूसरे के समान शक्तिशाली होती है और एक दूसरे के फैसले गिराने की ताकत रखती हैं। कार्यपालिका से हमारा मतलब देश की संसद से है और न्यायपालिका से हमारा अर्थ सुप्रीम कोर्ट से है। देश के प्रधानमंत्री या सरकार केवल देश के संविधान और कानूनों के हिसाब से सरकार चला सकते हैं, लेकिन कोई नया कानून नहीं बना सकते। कानून बनाने का अधिकार देश की संसद के पास होता है, वहीं से बहुमत के आधार पर कानून पास होते हैं। जैसे मौजूदा मोदी सत्ता पिछली दो योजनाओं से बहुमत में है तो वो अपने सांसदों की वोटिंग के आधार पर संसद के जरिए देश में कई नए कानून लेकर आई है, यहां ये कानून बिल के रूप में पेश किए जाते हैं और बाद में पास हो जाने के बाद ये कानून का रूप ले लेते हैं।

देश की सुप्रीम कोर्ट के पास इन कानूनों की व्याख्या करने का अधिकार होता है, कोर्ट इनके अनुसार सजा भी सुना सकता है और अगर कोर्ट को ये कानून संविधान के अनुरूप न लगे तो वो इन्हें खत्म करने की ताकत भी रखता है। लेकिन न्यायपालिका बेहद कम मामलों में ही ऐसा करता है जिससे कार्यपालिका और न्यायपालिका में टकराव की स्तिथि पैदा न हो। कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट और देश की संसद एक दूसरे के फैसले को उल्ट-पलट सकती है।

इस वक्त सुप्रीम कोर्ट या मुख्यन्यायाधीश कैसे हैं देश की सुपर पावर?

फिलहाल देश में 2024 लोकसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो चुका है। देश की संसद के सभी सत्र पूरे हो चुके हैं अब संसद का अगला सत्र नई सरकार बनने के बाद ही लग पाएगा। ऐसे में संसद के पास देश में कोई नया कानून लाकर सुप्रीम कोर्ट के किसी फैसले को बदलने की ताकत फिलहाल की स्तिथि में नहीं है। देश का सुप्रीम कोर्ट फिलहाल भारत में सुप्रीम पावर है, इसी के चलते मोदी सरकार सत्ता में बैठे रहते हुए भी चुनावी बॉन्ड पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर फिलहाल शांत है, क्योंकि वो जानती है कि कोर्ट के आदेश को बदला नहीं जा सकता बस वो कोर्ट में गुहार लगा सकते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई होनी है अगर कोर्ट ईडी को केजरीवाल की रिहाई का आदेश दे देता है तो मोदी सत्ता उन्हें इस मामले में फिर से गिरफ्तार नहीं कर पाएगी, उन्हें इस मामले में कोर्ट के आदेशानुसार ही

जीत सलूजा को शहीद भगत सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया

अमृतसर (साहिल बेरी) पंजाब की प्रसिद्ध खेल संस्था फरहाद-ए-पंजाब स्पोर्ट्स क्लब (आरजे) अमृतसर की ओर से अध्यक्ष गुरिंदर सिंह मट्टू (इंडिया बुक रिकॉर्ड होल्डर), जिसकी एक अनूठी पहचान है अमृतसर में पहचान। शहीद-ए-आजम भगत सिंह के शहीदी दिवस के अवसर पर राइजिंग सन दुपट्टा एंड स्टाल कंपनी के एमडी (सामाजिक कार्यकर्ता) जीत सलूजा के मार्गदर्शन में आयोजित सरल और प्रभावी समारोह के दौरान ₹शहीद भगत₹ से सम्मानित किया गया। सिंह अवार्डर। इस मौके पर श्री सलूजा ने कहा कि मैं खेल और समाज सेवा के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए हमेशा सक्रिय रहता हूं। और मुझे बहुत खुशी है कि मुझे सिरमौर संस्था से जुड़ने का सम्मान मिला है। उन्होंने अध्यक्ष गुरिंदर सिंह मट्टू और टीम को धन्यवाद दिया। आई क्लब के और कहा कि हम सभी को शहीद भगत सिंह के विचारों की रक्षा करने की जरूरत है। अध्यक्ष गुरिंदर सिंह मट्टू, बलजिंदर सिंह मट्टू, अमनदीप सिंह, अजय कुमार, कोमल अरोड़ा, विशाल भाटिया, मुकेश कुमार दमनप्रीत कौर, पलकप्रीत कौर और सायशा महाजन इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

मरणोपरांत सोनी परिवार ने आदर्श प्रस्तुत किया एक अनूठी पहल

स्वर्गीय सोहन बाई सोनी ने अपने जीवन की पाई पाई बचत दान की लगभग 6 लाख रुपए की राशि दान की जाएगी

भीलवाड़ा। भाजपा नेता राजस्थान जन मंच के अध्यक्ष भारत विकास परिषद के संस्थापक अध्यक्ष कैलाश सोनी कमल सोनी की दादी रामपाल सोनी की माताजी सोहन बाई सोनी की अंतिम ईच्छा थी की मेरे मरणोपरांत मेरे बचत की पाई पाई जरूरतमंदों गरीबों बेसहारों असहाय गौ माता कबूतरों पशु पक्षियों समाज जनों को दान दी जावे। उनकी इच्छा अनुसार मंगरोप रोड पर ओम शांति सेवा संस्थान वृद्धा आश्रम मे वृद्ध जन के लिए 1 कमरा के लिए 3.51 लाख ,गो माता के लिए विभिन्न गौ शाला में 51 हजार रूपए , कबूतरों के लिए मक्की जो ज्वार बाजरा 51 हजार जरूरतमंदों गरीबों को आटे के कट्टे, पैतृक गांव में कुरज में सेवा कार्य हेतु 51 हजार रूपए , काशीपुरी वकील कॉलोनी महेश्वरी भवन में आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वाटर कूलर भेंट करने की घोषणा उठावना मे की गई।

बीजेपी बिजेड़ी गठबंधन चर्चा मे रोक

मनोरंजन सासमल स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वर् : बिजेड़ी बीजेपी गठबंधन चर्चा सफल नहीं। दोनों पार्टियों के बीच सीटों पर सहमति नहीं बन पाई । तो फिर सीटों का बंटवारा नहीं होने या व्यवस्था नहीं होने के पीछे क्या कारण है? तो चाहे दिल्ली से लेकर भुबनेश्वर तक हो या गांव से लेकर चाय की दुकान तक जो चर्चा चल रही थी उसमें एक विराम लग गया है ।अब इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है । आज के तापमान की तरह ही मिंट पॉलिटिक्स ने राजधानी को और भी गरमा दिया है । राजनीतिक गलियारों में अफवाहों का कहना है कि पार्टी की राज्य शाखा ने पार्टी के शीर्ष नेताओं को उम्मीद दी है कि अगर भाजपा अकेले लड़े तो अधिक सीटें जीत सकती है। यह संभव है कि बिजेड़ी विधानसभा सीटों में 100 से नीचे नहीं गिरी और यह मेंट वार्ता की विफलता के पीछे एक कारण हो सकता है।

राज्य भाजपा मुख्यालय में यह जश्न पार्टी कार्यकर्ताओं के उत्साह को बयां करता है। प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल के यह कहने के बाद कि बीजेपी ओडिशा में अकेले चुनाव लड़ेगी, जमीनी स्तर से लेकर राज्य स्तर तक के नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी लौट आई है । मनमोहन के बाद सांसद अपराजिता षाड़ंगी और धर्मेंद्र प्रधान ने भी इसका समर्थन किया है । यहां तक कि खुद अपराजिता ने भी कहा, हमने गठबंधन के लिए बिजेड़ी के अनुरोध को खारिज कर दिया है।

फूलडोल महोत्सव की पूर्व तैयारियो के संबंध में बैठक आयोजित

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा जिला कलक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में फूलडोल महोत्सव के अन्दर खाद्य सुरक्षा एवं बांट माप को लेकर पूर्व में तैयारियों के संबंध में सीएमएचओ घनश्याम चावला, जिला रशद अधिकारी अमरेन्द्र कुमार मिश्रा एवं फूड इंस्पेक्टर पीसी शर्मा के साथ बैठक की गयी ।बैठक के अंतर्गत सर्वप्रथम सीएमएचओ शाहपुरा को निर्देशित किया गया कि एम्बुलेंस वाहन को रामद्वारा पुलिस चौकी, शाहपुरा में मय उपयुक्त स्टाफ के मेला शुरू होने से समाप्ति तक वही रखा जावे। साथ ही मेडिकल टीम को भी लगाने के निर्देश दिए कि उक्त एंबुलेंस के साथ डॉक्टर्स व नर्सिंग स्टाफ भी उपस्थित रहें ।खाद्य सुरक्षा अधिकारी को MFTL (मोबाईल फूड टेस्टींग लेब) वेन के लिए भी जिला कलक्टर शेखावत ने निर्देशित किया कि मैले के दौरान खाद्य पदार्थों व मसालों की उक्त वेन में मौके पर ही जांच की जावे। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी शर्मा को मेले के शुरूआत से समाप्ति तक रामद्वारा भण्डारे में व मेले में विक्रय होने वाली खाद्य पदार्थों के निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वाले क्रेताओं के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज करावें जिनमें 5 लाख रू तक के जुर्माने के प्रावधान है। मुकदमा भी दर्ज करावे। जिन दुकानदारों के सैंपल फेल हो जाते है तो उनके नाम प्रेस व मिडीया के माध्यम से उजागर कर जनता तक पहुंचायें ताकि लोग इनसे बचे।

इस दौरान जिला रशद अधिकारी को यह निर्देश दिए गये कि मेले में लग रही दुकानों में निर्धारित मूल्य से ज्यादा किसी वस्तु का मूल्य वसूलने वालों के तथा कम तोलनेद वालों के खिलाफ लीगल मेट्रोलोजिकल आफिसर के द्वारा कार्रवाई किए जाने के निर्देश प्रदान किए।

खालसा कॉलेज इंजीनियरिंग में 2-दिवसीय टेक-फेस्टिवल 'टेक एनर्जी' का आयोजन राष्ट्रीय स्तर का 2-दिवसीय वार्षिक टेक-फेस्टिवल 'टेक एनर्जी 2-K24' खालसा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, रंजीत एवेन्यू में आयोजित किया गया

परिवहन विशेष न्यूज

अमृतसर। (साहिल बेरी) कॉलेज डायरेक्टर डॉ. मैं मंजू बाला के निर्देश पर आया था। इ। इ। इ। छात्र शाखा के अंतर्गत संस्था. एस। टी। इ। स्टूडेंट चैप्टर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 50 से अधिक कार्यक्रमों में राज्य के विभिन्न संस्थानों से लगभग 800 छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर छात्र समन्वयक डॉ. मंजू बाला का फूलों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बाला ने कहा कि आधुनिक दुनिया में नवाचार और रचनात्मकता सफलता के दो मंत्र हैं। उन्होंने कहा कि एक तकनीकी संस्थान का हिस्सा होने के नाते, समाज और राष्ट्र की भलाई और विकास के लिए नई खोजों और प्रौद्योगिकी को अपनाना प्रत्येक छात्र का नैतिक कर्तव्य है। चार्ट, कोलाज, मशीन ड्राइंग, सॉलिड मॉडलिंग, ब्रिज बिल्डिंग, वाटर प्यूरीफायर, सर्वे हंट, ऑटो-कैड, इलेक्ट्रॉनिक पोस्टर मेकिंग आदि का आयोजन किया गया। इस तकनीकी कार्यक्रम में क्विजपीडिया, एक्सटेम्पोरेनियस, ग्रुप डिस्कशन, पॉट मेकिंग, नो फ्लेम कुकिंग, मॉक-टेल और टोल आर्ट की तैयारी आदि के अलावा, विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने पौधों के लिए स्वचालित पानी देने वाले उपकरण, डीआईएल जैसी नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया। ई-स्पोर्ट्स के साथ-साथ एनेस्थीसिया मशीन, कोल्ड पेवमेंट, मोज़ेक कंक्रीट, हाइड्रोजनेशन डैम, एंटरप्रेन्योरियल स्पीच, सिचुएशनल रिस्पांस टेस्ट, पेपर प्रेजेंटेशन, सिंगिंग एंड मिमिक्री, टेक रील्स और डीएसएलआर फोटोग्राफी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। उन्होंने विषयों में अपनी नवाचार परियोजनाओं का भी प्रदर्शन किया. रोबोटिक्स से लेकर टिकाऊ ऊर्जा समाधान तक, परियोजनाओं ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और सरलता को रेखांकित किया।

गर्भावस्था में बीपी का बढ़ना मां तथा बच्चे के लिए जानलेवा हो सकता है.... डॉ गायत्री शूर

अमृतसर (साहिल बेरी) शूर हॉस्पिटल खजाना गेट की गायनी रोग विशेषज्ञ डॉ गायत्री शूर ने बताया के संतान का सुख हर महिला का सपना होता है और इस सुख को सुनिश्चित किया जाना चाहिए, यह अपने आप में कई बीमारियां भी लेकर आता है जिसमें उच्च रक्तचाप(हाई बीपी) एक गंभीर समस्या है और गर्भावस्था के दौरान हाई बीपी को अनदेखा नहीं करना चाहिए, गर्भावस्था से पहले बीपी होने पर अपने डॉक्टर से सलाह लें और बताई गई दवाइयो का सेवन अवश्य करें, गर्भावस्था के दौरान कई बार 20 से 28 हफ्ते के बीच या बाद में बीपी बढ़ना शुरू होता है जिसे प्री-इकलेमशिया कहा जाता है जाता है, इस दौरान उपरोक्त समस्याएं होती हैं जिसमें बच्चों की ग्रोथ कम होना, लगातार सिर दर्द रहना चक्कर, आना भूख कम लगना, मूत्र में प्रोटीन आना, जौंडिस होना, लिवर में सूजन होना, पूरे शरीर में सूजन होना की समस्या हो सकती है, इलाज न होने की स्थिति में मां को ब्रेन हेमरेज या लकवा का खतरा हो सकता है, गर्भ में ही बच्चे की मृत्यु हो सकती है अर्थात यह मां तथा बच्चा दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है, डॉ गायत्री ने बताया कि प्रेगनेंसी के पहले महीने से ही अपना चेकअप करवाए जिसमें बीपी, शुगर आदि सभी प्रकार के टेस्ट नियमित रूप से करवाए व बीपी की समस्या आने पर बताई गई दवाइयो का प्रयोग करें और अपनी डिलीवरी अच्छे हॉस्पिटल में करवाए जहां इमरजेंसी की सुविधा उपलब्ध हो और लाइफस्टाइल में बदलाव करें, समय पर सोना व उठना शुरू करें, हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें, यदि गर्भावस्था में बीपी कंट्रोल में नहीं रहता है तो यह जच्चा और बच्चा दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है ।

श्री ब्रहमारम्बा मलिकार्जुना स्वामी गौशाला में होली महोत्सव कार्यक्रम आयोजित

परिवहन विशेष न्यूज

हैदराबाद। अमीनपुर बिरमगुडा राजस्थानी गौशाला गैर मण्डली 36 कौम द्वारा गैर नृत्य कार्यक्रम चल रहा प्रतिदिन 9 बजे से रात्रि 12 बजे तक श्री ब्रहमारम्बा मलिकार्जुना स्वामी गौशाला में 36 कौम के सानिध्य में होली महोत्सव कार्यक्रम में 24 मार्च व 25 मार्च पुजा - अर्चनाकर, होली दहन, बच्चों की ढुंढ, रंगारंग गैर नृत्य के साथ आयोजित किया जाएगा। राकेश चोयल ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष भांति 36 समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय होली महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा गौशाला प्रांगण में रविवार 24 मार्च रात्रि 11.15 बजे होली दहन एवं सोमवार 25 मार्च को प्रातः वेला में पूजा अर्चनाकर 10.5 बजे से बच्चों की ढुंढ का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष बचनाराम जाट, उपाध्यक्ष परमेश्वर सांखला, सचिव परमेश्वर वैष्णव, कोषाध्यक्ष दीपाराम सांखला, सह कोषाध्यक्ष हनुमान चौहान, कैलाश मीणा , समस्त कार्यकारिणी एवं सदस्य एवं महिला मण्डली एवं समस्त भामाशाहों,प्रतिदिन प्रसादी कार्यक्रम आयोजित है। 36 समाज बन्धुओं से निवेदन किया हैं कि उपरोक्त कार्यक्रम में राजस्थानी वेश -भूषा में सपरिवार समय पर पधाकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

संविधान में बदलाव की बात करना गलत कैसे? अब तक 105 बदलाव हो चुके हैं हमारे संविधान में

हाल ही में बीजेपी के नेता ने संविधान में बदलाव की बात की थी, जिसके बाद कुछ लोग निकल पड़े झंडा लेकर की बीजेपी तो संविधान बदल देगी, बीजेपी संविधान विरोधी है। क्या नेहरू, इंडिया, सोनिया यह सभी संविधान विरोधी है जिन्होंने संविधान में अपने कार्यकाल में किए कई बदलाव और भारत देश की आयरन लेडी ने तो आपातकाल लगाकर संविधान की मूल भावना से भी छेड़ छाड़ कर डाली थी, अब देश की उन्नति के लिए, देश की भलाई के लिए भाजपा भी कुछ जरूरी बदलाव कर दे तो इसमें गलत क्या है ?और हां 400 इसके लिए जरूरी है इसलिए सभी बढ़चढ़कर वोट करें और 400 पार को सच बनाएं तभी काम होगा, तभी बदलाव होगा ! देश वासियों को यदि देश को गुलामी से पूरी तरह मुक्त करना है, भारतीय संस्कृति को पूरा सम्मान दिलाना है, देश को सही मायने में आगे बढ़ाना है तो 400 पार के मायने समझने होंगे और उसके लिए पूरी निष्ठा से प्रयास करना होगा। इसके बाद ही देश में व्याप्त अनेकों समस्याओं का पुख्ता समाधान हो सकेगा (धर्मांतरण, दर्जनों प्रकार के जेहाद, भ्रष्टाचार, दंगे फसाद, नक्सलवाद, माओवाद, आदि..आदि..) संविधान में कुल बदलाव 105 बार हुए जिसमें से मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में मात्र 7 जरूरी बदलाव किए जो वाकई देश हित में थे, उनमें से अधिकांश में तो सुप्रीम कोर्ट ने समीक्षा की है। बाकी 98 बदलाव तो पहले ही हो चुके थे। जिनमे से 1 से 2 बदलाव सीएम अटल के समय में हुए बाकी 95 बदलाव इसी कांग्रेस ने किए हैं जो आज संविधान बचाओ की बातें कर रही है... जागो देशवासियों जागो और राजनीति को थोड़ा सा तो समझो ताकि सही गलत का उचित निर्णय ले सको।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल का सफलतम 1 वर्ष भीलवाड़ा जिले में विजय संकल्प दिवस के रूप में मनाया

अनूप कुमार शर्मा

सीपी जोशी के कुशल नेतृत्व में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी – नागर

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के कार्यकाल का सफलतम एक वर्ष भाजपा द्वारा जिलेभर में विजय संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम जहाजपुर विधानसभा अंतर्गत कोटडी मंडल के बन का खेड़ा क्षेत्र में लोकसभा प्रभारी एवं ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर के मुख्य आतिथ्य, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता एवं सांसद सुभाष बहेडिया, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, लोकसभा सह प्रभारी गजपाल सिंह के सानिध्य एवं कोटडी प्रधान करण सिंह, जहाजपुर विधानसभा संयोजक कन्हैयालाल जाट, कोटडी मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन की विशिष्ट उपस्थिति में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री नागर ने कहा कि एक वर्ष पूर्व प्रदेश भाजपा की कमान संभालते हुए सीपी जोशी ने कहा था ''चुनौतियां चाहे कितनी भी हो, मजबूत संगठन, कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के दर्द को मुखर आवाज देकर राजस्थान को कांग्रेसी कुशासन से मुक्त करवाएंगे।'' प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी और कांग्रेस का कुशासन समाप्त हुआ। इसी तरह लोकसभा में भी राजस्थान की सभी 25 सीटों पर कमल खिलेगा और केंद्र में अबकी बार मोदी सरकार, 400 पार का लक्ष्य अर्जित करेगी।

विजय संकल्प दिवस के अंतर्गत अतिथियों ने लाभार्थी विशेष संपर्क अभियान और प्रथम मतदाता संपर्क अभियान के तहत लाभार्थियों एवं नव मतदाताओं से संपर्क किया एवं कार्यकर्ताओं से माइक्रो डोनेशन अभियान में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के कार्यकाल की 1 वर्ष की संपन्नता के अवसर पर क्षेत्र में गौमाता को चारा खिलाकर सेवा कार्य भी किए गए। इस अवसर पर कोटड़ी उपप्रधान कैलाश सुथार, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष भगवत सिंह राठौड़, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, मंडल महामंत्री धर्मचंद जीनगर, शिव जाट, पंचायत समिति सदस्य राजेंद्र तेली, पूर्व मंडल अध्यक्ष कैलाश तिवाडी, रामनारायण जाट, रामकुमार जाट, प्रहलाद चेचाणी सहित सहित बड़ी संख्या में जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023